दैनिक
भीम प्रज्ञा
PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026
2009 से स्थापित
सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता
www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-92 | झुंझुनू (राजस्थान) | रविवार, 22 फरवरी, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00

भीम प्रज्ञा अलर्ट

सफलता का शोर नहीं, बल्कि निरंतर प्रयास की खामोशी ही असली ताकत होती है–जो बिना दिखावे के इतिहास रच देती है।

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए
हेल्पलाइन - 9983040937
Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार
Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

संघर्ष की तपिश और जीवन की मिठास

जीवन को यदि किसी एक रूपक में समझाया जाए, तो वह एक वृक्ष के समान है। एक ऐसा वृक्ष जो बीज से शुरू होकर आँधियों, धूप, वर्षा और मौसम के अनगिनत उतार-चढ़ाव से गुजरते हुए फलता-फूलता है। इस वृक्ष पर लगने वाले फल कभी तुरंत मीठे नहीं होते। कई बार वे खट्टे होते हैं, अधपके होते हैं और हमें निराश कर देते हैं। ठीक वैसे ही, जीवन के संघर्ष और चुनौतियाँ भी प्रारंभ में कष्टदायक और हतोत्साहित करने वाली प्रतीत होती हैं। परंतु प्रकृति का नियम स्पष्ट है–हर फल को पकने के लिए समय चाहिए, हर वृक्ष को बढ़ने के लिए धैर्य चाहिए, और हर इंसान को निखरने के लिए संघर्ष चाहिए। मैं यहां बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है। आज का समय त्वरित परिणामों का समय है। हम सब कुछ तुरंत चाहते हैं–सफलता, पहचान, सम्मान और संतोष। परंतु प्रकृति कभी जल्दबाजी नहीं करती। एक बीज को अंकुर बनने में, अंकुर को पौधा बनने में और पौधे को फलदार वृक्ष बनने में समय लगता है। इसी प्रकार, मनुष्य का व्यक्तित्व भी संघर्षों की धूप और अनुभवों की वर्षा से परिपक्व होता है। यदि जीवन में कठिनाइयाँ न हों, तो हमारी क्षमताएँ कभी विकसित ही न हों। संघर्ष हमें अपनी सीमाओं से आगे बढ़ने के लिए बाध्य करता है और यही प्रक्रिया हमें मजबूत बनाती है।

जब जीवन में 'खट्टे फल' मिलते हैं–असफलता, अस्वीकृति, आर्थिक तंगी या सामाजिक आलोचना–तो मन स्वाभाविक रूप से निराश होता है। कई लोग इन्हीं परिस्थितियों में हार मान लेते हैं। वे सोचते हैं कि भाग्य उनका साथ नहीं दे रहा। लेकिन जो व्यक्ति इन अनुभवों को सीख के रूप में स्वीकार करता है, वही आगे बढ़ पाता है। हर असफलता हमें यह सिखाती है कि क्या सुधार करना है, कहाँ धैर्य रखना है और किस दिशा में प्रयास बढ़ाना है। खट्टे अनुभवों का यही सार है–वे हमें भीतर से तैयार करते हैं। प्रकृति का एक और महत्वपूर्ण नियम है संतुलन। अत्यधिक धूप वृक्ष को जला सकती है और अत्यधिक वर्षा उसकी जड़ों को सड़ा सकती है। उसी प्रकार, जीवन में अत्यधिक आराम भी व्यक्ति को कमजोर बना सकता है। जब सब कुछ सहज और सरल मिलता है, तो व्यक्ति में संघर्ष की क्षमता विकसित नहीं हो पाती। इसके विपरीत, सीमित संसाधन और कठिन परिस्थितियाँ व्यक्ति को आत्मनिर्भर और जुझारू बनाती हैं। यही कारण है कि अक्सर कठिन पृष्ठभूमि से आने वाले लोग असाधारण उपलब्धियाँ हासिल करते हैं–क्योंकि उन्होंने जीवन की तपिश को सहना सीखा होता है। इतिहास और समाज ऐसे उदाहरणों से भरे पड़े हैं, जहाँ संघर्ष ने ही महानता को जन्म दिया। ए. पी. जे. अब्दुल कलाम का जीवन इसका उत्कृष्ट उदाहरण है। साधारण परिवार से निकलकर देश के सर्वोच्च पद तक पहुँचना आसान नहीं था। उनकी यात्रा में आर्थिक अभाव और चुनौतियाँ थीं, परंतु उन्होंने हार नहीं मानी। इसी प्रकार लाल बहादुर शास्त्री ने भी सादगी और संघर्ष के माध्यम से नेतृत्व का आदर्श प्रस्तुत किया। इन महान व्यक्तित्वों ने परिस्थितियों को दोष नहीं दिया, बल्कि उन्हें अवसर में बदल दिया।

संघर्ष का सबसे बड़ा लाभ यह है कि वह व्यक्ति को आत्मबल प्रदान करता है। जब हम कठिन समय से गुजरते हैं और फिर भी टिके रहते हैं, तो हमारे भीतर एक नई शक्ति जन्म लेती है। यह शक्ति बाहरी नहीं, आंतरिक होती है। यही आंतरिक दृढ़ता भविष्य की चुनौतियों से निपटने का आधार बनती है। यदि जीवन में कभी कोई कठिनाई न आए, तो हम अपनी वास्तविक क्षमता को पहचान ही नहीं पाएँगे। यह भी सत्य है कि संघर्ष की प्रक्रिया आसान नहीं होती। इसमें धैर्य, अनुशासन और निरंतरता की आवश्यकता होती है। कई बार परिणाम देर से मिलते हैं, जिससे मन डगमगाने लगता है। ऐसे समय में हमें प्रकृति से सीख लेनी चाहिए। सूरज की तपिश ही फलों में मिठास भरती है। यदि वृक्ष धूप से घबराकर बढ़ना छोड़ दे, तो वह कभी फल नहीं दे पाएगा। उसी प्रकार, यदि हम चुनौतियों से डरकर पीछे हट जाएँ, तो सफलता का स्वाद नहीं चख पाएँगे। समाज को भी यह समझने की आवश्यकता है कि हर व्यक्ति की यात्रा अलग होती है। किसी का फल जल्दी पकता है, तो किसी का देर से। तुलना करने से केवल निराशा बढ़ती है। हमें अपने वृक्ष की देखभाल करनी है–अपनी मेहनत, अपने धैर्य और अपनी हिम्मत के माध्यम से। जब हम निरंतर प्रयास करते रहते हैं, तो समय स्वयं हमारे पक्ष में काम करने लगता है।

अंततः, जीवन का सार यही है कि खट्टे फलों से घबराना नहीं चाहिए। वे संकेत हैं कि अभी प्रक्रिया जारी है, अभी पकना बाकी है। यदि हम मैदान छोड़कर नहीं भागते, यदि हम अपनी मेहनत और हिम्मत को बनाए रखते हैं, तो समय अवश्य बदलता है। परिस्थितियाँ स्थायी नहीं होतीं, परंतु हमारा प्रयास और विश्वास स्थायी हो सकते हैं। याद रखें, जीवन की मिठास अचानक नहीं आती। वह धीरे-धीरे, संघर्ष की तपिश और धैर्य की ठंडक से तैयार होती है। इसलिए जब भी कठिन समय आए, उसे अंत नहीं, बल्कि परिपक्वता की प्रक्रिया समझें। अपनी जड़ों को मजबूत रखें, अपनी शाखाओं को फैलने दें और समय पर भरोसा रखें। एक दिन आपके जीवन के 'खट्टे फल' भी ऐसी मिठास से भर जाएँगे, जो न केवल आपको, बल्कि आपके आसपास के लोगों को भी प्रेरित करेगी।

मंच पर रो पड़ीं वसुंधरा राजे

पदयात्रा का ग्रामीणों ने किया स्वागत

माता-पिता, भाई पर लिखी कविता सुन बोलीं- जीवन में इनका योगदान नहीं भूल सकती

भीम प्रज्ञा न्यूज

झालावाड़ । झालावाड़ में पूर्व सीएम वसुंधरा राजे अपने माता-पिता और भाई पर लिखी कविता सुन मंच पर रो पड़ीं। बाद में भरे गले से बोलीं- मैं अपने जीवन में इन तीनों के योगदान को कभी नहीं भूल सकती। आज इनके बिना जीवन बहुत सूना लगता है। राजे ने शनिवार को खोयरा गांव स्थित मुक्तेश्वर मंदिर से सांसद दुष्यंत सिंह की पद यात्रा के तीसरे चरण की शुरुआत की। इस अवसर पर एक युवती अदिति शर्मा बकानी ने राजे पर एक कविता पढ़ी और पूर्व सीएम भावुक होकर रोने लगीं। इस कविता में राजे के पूरे परिवार, उनके शासन करने के तरीके और उनकी योजनाओं के बारे में उल्लेख था।

लोगों से मिल रहे प्यार में माता-पिता और भाई को खोजती हूं

पूर्व मुख्यमंत्री राजे ने कहा- मां राजमाता विजय राजे सिंधिया, पिता जीवाजी राव सिंधिया और भाई माधव राव सिंधिया अब इस दुनिया में नहीं हैं। जब भी उनकी याद आती है, तब मैं लोगों से मिल रहे प्यार में उनको खोजने लगती हूं और अहसास करती हूं कि इन्हीं में मेरे खोए हुए परिवारजन हैं। उन्होंने कहा कि वे बहुत भावुक हैं, जिन्हें धन-दौलत नहीं जनता रूपी परिवार के प्यार की जरूरत है, जो उन्हें सर्वाधिक मिल रहा है। उनका लोगों से दल का नहीं दिल का रिश्ता है। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने कहा- जनता के लिए लड़ने के लिए कितनी भी दूर जाना पड़े, लड़ेंगे... समय एक सा नहीं होता। कभी-कभी बहुत अच्छा समय होता है और कभी-कभी बहुत खराब। धन दौलत सब कुछ नहीं होता, जनता का प्यार सबसे अनमोल है। जनता का प्यार मिलेगा तो समय बदलेगा।

जनसंवाद पदयात्रा को झंडी दिखाकर किया रवाना

राजे ने झालावाड़-बारां सांसद दुष्यंत सिंह की जनसंवाद पदयात्रा के तीसरे चरण का शनिवार को शुभारंभ किया। झालावाड़ के बकानी में केसरिया झंडी दिखाकर पदयात्रा को रवाना किया गया। इस दौरान उन्होंने जनसभा को भी संबोधित किया।

'जनता का प्यार सबसे अनमोल'

जनसभा में पूर्व सीएम ने जोर देकर कहा कि धन-दौलत सब कुछ नहीं होता, जनता का प्यार सबसे अनमोल है। बकानी सहित पूरा झालावाड़ जिला उनका परिवार है। राजे ने आश्वस्त किया कि 4 दिवसीय यात्रा के दौरान सामने आने वाली समस्याओं के समाधान के लिए त्वरित कार्रवाई की जाएगी और जिले के समग्र विकास के लिए निरंतर प्रयास जारी रहेंगे।

'जनता का प्यार मिलेगा तो समय बदलेगा'

राजे ने यात्रा के उद्देश्य पर भी बात की। उन्होंने बताया कि कई लोग पूछ रहे थे कि चुनाव नहीं होने पर भी यात्रा का क्या मतलब है। इस पर उन्होंने स्पष्ट किया कि वह इस यात्रा के माध्यम से कुछ भी लेने नहीं आई हैं, बल्कि केवल जनता का प्यार लेकर जाएंगी। उन्होंने कहा कि वह लेने की नहीं, बल्कि देने की इच्छा रखती हैं और जनता का प्यार मिलेगा तो समय बदलेगा।

कविता सुनकर भावुक हुईं वसुंधरा राजे

ग्वालियर घराना धन्य हुआ, जब चरण भार्गवी से आए
विजयाराजे महारानी, जीवाजी राजा थे हर्षाए
माधव की बहन सुभद्रा सी, वसुधा की तारण हारी है
यह राजस्थानी धरती, इनकी सदा-सदा आभारी है
जिनके मस्तक पर स्वाभिमान की, सजी हुई यह बिंदिया है
अभिमान झालरापाटन का, राजे वसुंधरा सिंधिया है।।
पद्मा, ऊषा और यशोधरा सी बहनों का जब साथ रहा
वागड़ की मां त्रिपुरा का जिनके शीश धरा वह हाथ रहा मां विजया के पदचिन्हों पर, सेवा जन जन की ठानी है
जो विजय पताका फहराया, फिर हार कभी ना मानी है यात्रा सुराज संकल्प हमारे राजस्थान निकाली थी स्वागत करने आतुर उपवन,
हर पुष्प-पुष्प, हर डाली थी सौभाग्य मालवा ने पाया, जो जीत आपने पाई है
जब बनी विधायक आप यहां, सत्ता में साख जमाई है
हरपल छवि ज्योति स्वरूपा की दीप्ति के निश्चय अटल रहे
इस रेगिस्तानी धरती पर खिलते ये मोहक कमल रहे
राजे से राजस्थान बना, अनगिनत गुणों की खान बना
आदिशक्ति का रूप लिए, हर नारी का सम्मान बना
जो प्रथम मुख्यमंत्री महिला, कहलाई राजस्थान की गौरव राजे का गूंज उठा
बारी आई गुणगान की तब झालावाड़ बढ़ा आगे, पहचान आपसे पाई है
उत्तम विकास की दिव्य ज्योत, राजे ने यहां जलाई है
अभियान राज्य के हित अनेक, चलते हैं हर आह्वान में
जन-जन का स्नेह समाया, नारे जय जय राजस्थान में हर कष्ट मिटाकर जनता का भरती झोली में खुशियां हैं अभिमान झालरापाटन का, राजे वसुंधरा सिंधिया है।।
राजश्री योजना जब आई, ममता को खुशियां दान मिली
मिला बढ़ावा बेटी जन्म को ऊंची यहां उड़ान मिली योजना स्वास्थ्य बीमा की
भामाशाह नाम से आई थी आवास योजना जन-जन के, अंतस में आन समाई थी
फिर मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन से, बदली थी रौनक सारी जल संरक्षण के केंद्र बने
बढ़ता भूजल स्तर भारी योजना अन्नपूर्णा रसोई, मुस्कान अधर पर ले आई
भोजन थाली सम्मान युक्त, जब दीन दुःखी ने थी खाई
आज समर्थन करे आप का गांव शहर की गलियां हैं
अभिमान झालरापाटन का, राजे वसुंधरा सिंधिया है।।
दुष्यंत सिंह से पुत्र रत्न, राजे का मान बढ़ाते हैं
सांसद वे झालावाड़ और बारां के भी कहलाते हैं
आज प्रेरणा राजे जी से मैंने जो कुछ पाई हैं
मन के वे मंजुल भाव संजो, मैंने यह कलम चलाई है
इनकी जीवन गाथा को कुछ शब्दों के साथ सुनाई है राष्ट्र प्रेम जन सेवा ही जीवन के पुण्य कमाई है दिन 8 मार्च और सन तिरपन को जन्म आपने पाया है
इस दिन ही पूरी दुनिया ने मिल महिला दिवस मनाया है

विनोद जाखड़ को एनएसयूआई का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर बलाई समाज बंधुओ ने हर्ष जताया

भीम प्रज्ञा न्यूज.चौमूं।

सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया । राजस्थान से पहली बार एनएसयूआई के प्रदेशाध्यक्ष विनोद जाखड़ को भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर बलाई समाज के लिए गर्व की बात है। विनोद जाखड़ को एनएसयूआई का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर बलाई विकास समिति जयपुर (मुख्यालय-चौमूं) के संरक्षक व सेवानिवृत बीएसएनल मुख्य पर्यवेक्षक रामकिशोर राय, सेवानिवृत्त अतिरिक्त जिला कलेक्टर केआर बुनकर, समिति के अध्यक्ष एडवोकेट बद्रीनारायण परिहार, महासचिव सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया, उपाध्यक्ष नाथूलाल बराला, कालूराम सामरिया, एडवोकेट राधेश्याम बुनकर, राजपाल सिंह नारनोलिया, शंकरलाल सरावता, सेड़ूराम मेदवाल, उप महासचिव हनुमान सहाय झांटीवाल, उपकोषाध्यक्ष नानगराम लूनिवाल, गोपालचंद सोंगण, सचिव राजेंद्र प्रसाद काला, सांवरमल छेड़वाल, गोपाल लाल बुनकर, मूलचंद बॉयला, प्रहलाद राय जाटावत, सुभाषचंद गोरासरा, संगठन सचिव कैलाशचंद कालोया, मुकेश कुमार कालोया, गोपीराम मेहरड़ा, हरिनारायण मरोडिया, राजेंद्र प्रसाद वर्मा, नरेश कुमार रोजड़ा, कार्यकारी सदस्य घीसालाल बबेरवाल, चौथमल जाटावत, मूलचंद राय, कालूराम किरोड़ीवाल, गुलाबनाथ बुढगाया, सूर्य प्रकाश बाणिया, गोपाल लाल देवठिया, कैलाशचंद लाखीवाल, फूलचंद सिंगल, पूरणमल बबेरवाल, तुलसीराम बामणिया, समाजसेवी सुरेश कुमार महरिया, लालाराम महरडा, मनीष बिदावत, जालसू पंचायत समिति सदस्य व अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ जयपुर जिला देहात कांग्रेस सचिव सुनीता वर्मा, रामगोपाल छापोला, समाजसेवी सायरचंद बुनकर, मिलाप चंद नारनोलिया सहित सभी बलाई समाज बंधुओं ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कर हर्ष जताया।

आज होगा महिला सम्मान समारोह का पोस्टर विमोचन

भीम प्रज्ञा न्यूज.चौमूं।

सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया। शहर के मोरीजा रोड स्थित बलाई समाज सभा-भवन पर रविवार को बलाई विकास समिति जयपुर, मुख्यालय-चौमूं के अध्यक्ष एडवोकेट बद्रीनारायण परिहार की अध्यक्षता में बैठक आयोजित होगी। समिति के महासचिव सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया ने बताया कि आगामी 8 मार्च को महिला दिवस पर समिति द्वारा आयोजित होने वाले महिलाओं के सम्मान समारोह का पोस्टर विमोचन समिति के संरक्षक, समारोह के मुख्य संयोजकों एवं सह संयोजकों द्वारा किया जाएगा। इसके पश्चात समारोह को सफल बनाने को लेकर चर्चा-परिचर्चा की जाएगी।

खुला नाला बना मौत का जाल, मंडावर में फिर दिव्यांग दुर्घटनाग्रस्त, सब्जी मंडी मार्ग पर हर दिन खतरे में जान

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । मंडावर नगरपालिका क्षेत्र में गढ़ रोड से पाखर रोड होते हुए सब्जी मंडी की ओर जाने वाला प्रमुख मार्ग अब सुरक्षित आवागमन का रास्ता नहीं रहा, बल्कि रोज़ाना हादसों को न्योता देने वाला खतरनाक कॉरिडोर बन चुका है। बीच सड़क पर खुला नाला, उस पर लंबे समय से टूटे पड़े फेरो कवर और बिना किसी सुरक्षा जाल के खुला हिस्सा दुपहिया चालकों, ई-रिक्शा, चारपहिया वाहनों और विशेष रूप से दिव्यांग लोगो के लिए जानलेवा साबित हो रहे हैं। गढ़ रोड की नई बनी सड़क पाखर रोड की पुरानी सड़क से ऊंची होने के कारण ढलान पर फिसलन बढ़ गई है और ठीक सब्जी मंडी के पास खुला नाला होने से वाहन असंतुलित होते ही दुर्घटनाग्रस्त हो जाते हैं, यही कारण है कि यहां छोटे-बड़े हादसे अब अपवाद नहीं, बल्कि रोज़मर्रा की सच्चाई बन चुके हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार इस गंभीर समस्या को लेकर पूर्व में कई बार समाचार प्रकाशित हुए, नगरपालिका प्रशासन को अवगत कराया गया और गढ़ रोड के सड़क निर्माण से पहले विधायक राजेंद्र मीना के औचक निरीक्षण के दौरान मौके पर मौजूद नागरिकों ने खुला नाला और टूटे कवर की

स्थिति बताकर तत्काल समाधान की मांग की थी। उस समय कार्यवाहक ईओ को मौके पर ही निर्देश भी दिए गए, जिससे आमजन में उम्मीद जगी कि दुर्घटनाओं का यह स्थायी कारण खत्म होगा, लेकिन निरीक्षण और निर्देशों के बाद भी जमीनी स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इसी लापरवाही का नतीजा शनिवार को फिर सामने आया, जब एदलपुर गांव का एक दिव्यांग व्यक्ति अपनी पत्नी के साथ अपने वाहन से गुजर रहा था और असंतुलन के कारण दोनों नाले में गिर पड़े, जिससे उन्हें चोटें आईं और उनका सामान सड़क पर बिखर गया। मौके से गुजर रहे पूर्व जिला परिषद सदस्य रोशन हवलदार और स्थानीय ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए दोनों को संभालकर बाहर निकाला, तब जाकर स्थिति काबू में आई। यह मार्ग पाखर, टहलड़ी और ऊकरुंद गांवों सहित आसपास की कई कॉलोनियों का मुख्य संपर्क रास्ता है, वहीं शहर की मुख्य सब्जी मंडी और एकमात्र मोक्षधाम का आवागमन भी इसी मार्ग से होता है, जिससे प्रतिदिन हजारों राहगीर और सैकड़ों वाहन गुजरते हैं। ऐसे में खुला नाला केवल एक निर्माण खामी नहीं, बल्कि हर गुजरते व्यक्ति के लिए खतरे की घंटी बन चुका है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते फेरो कवर दुरुस्त नहीं किए गए, सुरक्षा जाल नहीं लगाया गया और ढलान को सुरक्षित स्लोप में नहीं बदला गया तो किसी बड़े हादसे की जिम्मेदारी तय करना कठिन नहीं होगा और इसकी सीधी जवाबदेही पालिका के जिम्मेदार अधिकारियों पर तय होगी। मामले को लेकर स्थानीय पालिका ईओ सुमेर सिंह मीणा से संपर्क का प्रयास किया गया, लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो सका। स्थानीय नागरिकों ने जिला प्रशासन और नगर पालिका से तत्काल स्थल निरीक्षण कर नाले को सुरक्षित ढंग से ढकवाने, सड़क की ढलान सुधारने और दुर्घटना संभावित हिस्सों पर स्थायी सुरक्षा इंतजाम कराने की मांग की है, ताकि यह मार्ग फिर से भरोसेमंद बन सके और किसी परिवार की जिंदगी एक और हादसे की भेंट चढ़ने से बचाई जा सके।

भाजपा नेता दहिया का भापर में हुआ नागरिक अभिनंदन

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

नवसर्जित ग्राम पंचायत भापर में भाजपा नेता दहिया का शनिवार को नागरिक अभिनंदन कार्यक्रम हुआ। ग्रामवासियों ने भापर को नई ग्रामपंचायत बनाये जाने पर दहिया का आभार व्यक्त किया। साथी ही इस खुशी के मोके पर फूलो की होली समारोह भी किया गया। इस अवसर पर सूरजगढ़ प्रधान बलवान सिंह, प स सदस्य पवन मेघवाल , संदीप भड़िया, दयानंद कुमावत, ओम प्रकाश बुडानिया, गंगाधर कुमावत, भोलाराम, प्रहलाद सिंह बुडानिया, प्रहलाद नायक, विष्णु नायक, अजय, विद्याधर बुडानिया, सुनील ठेकेदार, हनुमान बेडवाल, सुरेश बुडानिया, उमेद सिंह, कर्मपाल, श्रीराम काली रावणा, महेंद्र सिंह डीलर, राजवीर धींवा, रमेश नागवान, बसंत लाल, पवन गुर्जर, मदन चनेजा, नवीन बुडानिया, विद्याधर बुडानिया, हेमराज कुमावत, नौरंग लाल, गोविंद राम सेन, ओम प्रकाश जांगिड़ , मातृ शक्ति सहित गणमान्य नागरिक बंधु उपस्थित रहे।

समर सीजन में आउटफिट के साथ इन पांच एक्सेसरीज को भी रखें अपडेट

मौसम के हिसाब से अपने वार्डरोब को अपडेट करना बहुत ही जरूरी है जिससे आपको कम्फर्ट के साथ स्टाइलिश लुक भी मिले। कई बार ऐसा होता है कि हम आउटफिट पर बहुत ध्यान देते हैं लेकिन मैचिंग एक्सेसरीज को हम इग्नोर कर देते हैं। ऐसे में समर सीजन में आपको कुछ एक्सेसरीज को अपने वार्डरोब का हिस्सा जरूर रखना चाहिए–

स्कार्फ बनाए आपको परफेक्ट

गर्मियों के दिनों में स्कार्फ धूप से बचाने के साथ स्टाइलिश लुक देने के लिए काफी है। समर सीजन में आउटफिट के साथ मैच होते स्कार्फ को स्टाइल स्टेटमेंट का हिस्सा जरूर बनाएं।

हैट्स आपको बनाए कूल

गर्मियों के दौरान हैट्स भी आपके लुक को कुल अंदाज देती है। हैट्स आपके लुक को बढ़ाने के साथ ही आपके बालों और चेहरे को भी तेज धूप से बचाती है। खासतौर पर आउटिंग या ट्रिप पर ड्रेस से मैचिंग हैट पहनें जिससे आपको परफेक्ट लुक मिलेगा।

स्टाइलिश सनग्लासेस

गर्मियों के फैशनबल एक्सेसरीज में चश्मे सबसे पहले आते हैं। यह आपको गर्मियों में नया और ट्रेंडी लुक देते हैं। गर्मियों के दौरान सभी की आंखों पर सनग्लासेस देखे जाते हैं। आपको चेहरे के हिसाब से सनग्लासेस को चुनना चाहिए लेकिन कोशिश करें कि फ्रेम मे मेटल क्लासी वर्क को ही चुनें।

फुटवेयर भी है स्टाइलिश

फुटवेयर भी आउटफिट के हिसाब से होने चाहिए। साथ ही इस मौसम में पसीना बहुत आता है। खासकर जिन महिलाओं के पैरों में पसीना आता है, उनको ऐसे फुटवियर को चुनना चाहिए, जिसमें पैरों में हवा लगती रहे और पसीना न आने पाए।

हैंडबैग को न भूलें

इस बार समर में आपको नया ट्रेंडी बैग लेना चाहिए। आपको अगर हैंडबैग की आदत नहीं है, तो कोई स्टाइलिश वन साइड बैग या बैकपैक लेकर आप इसे अपने स्टाइल स्टेटमेंट का हिस्सा बना सकते हैं।

इन छोटे–छोटे उपायों से मीठी नींद में सोएगा आपका बच्चा

बड़ों की तरह ही बच्चों में सोने की भी अलग–अलग आदतें होती हैं। कई बच्चे थोड़ी–सी भी फिजिकल एक्टिविटी करते ही बार–बार सो जाते हैं, तो कुछ बच्चों को बहुत ही मुश्किल से नींद आती है। बच्चों की हेल्थ के लिए उनकी 10–11 घंटे की नींद बहुत जरूरी है। ऐसे में अगर आपका बच्चा सोता नहीं है, तो आपको उसे सुलाने के लिए कुछ टिप्स अपनाने चाहिए–

इन बातों का भी रखें ध्यान

- बच्चे को रोज अलग सुलाने की कोशिश करें। अगर आप शुरू से ही ऐसा करेंगी, तो इससे उसमें अलग सोने की आदत पड़ेगी।
- सुलाने से पहले बच्चे की मालिश करना भी काफी फायदेमंद रहता है, इससे उसको अच्छी नींद आएगी।
- सुलाने से पहले बच्चे की सफाई पर भी ध्यान दें। खास कर नाक, कान और मुंह की ठीक से सफाई करके उन्हें सुलाएं।
- बच्चे को सुलाते वक्त कमरे में अंधेरा जरूर कर दें, क्योंकि अंधेरे में नींद से जुड़ा हार्मोन सक्रिय होता है। यही हार्मोन नींद लाने में सहायक होता है।
- कमरे की खिड़की के परदे जरूर फैला दें और संभव हो तो दरवाजे को भी बंद कर दें, ताकि बच्चा बाधारहित अच्छी नींद ले सके।
- धीमा म्यूजिक और वार्म लाइट भी बच्चे को अच्छी नींद देने में मददगार होते हैं। इसकी व्यवस्था आप उसके कमरे में कर सकती हैं।
- जब आपका बच्चा सो रहा हो, तो घर में तेज आवाज वाले उपकरण जैसे मिक्सी, वैक्यूम क्लीनर आदि का इस्तेमाल न करें। इससे बच्चे डर कर जाग जाते हैं।
- आप चाहें तो बच्चे के साथ सो सकती हैं, जब तक कि वह सो नहीं जाता। लेकिन उससे लिपट कर ना सोएं, वरना उसको इसकी आदत हो जाती है और आपके –हटते ही उसकी नींद टूट जाती है। बेहतर यही होगा कि आप अपने बच्चे को इस तरह की आदत ना डालें।
- जब बच्चा हल्की नींद में हो, तभी उसे गोद से या झूले से निकाल कर बिस्तर पर सुला दें।

माता–पिता की इन पांच आदतों की वजह से बच्चों का कॉन्फिडेंस लेवल होता है डाउन

कहते हैं कि पैरेंटिंग का मतलब सिर्फ बच्चे को जन्म देकर उसे पालना ही नहीं बल्कि पैरेंटिंग से समाज के लिए एक जिम्मेदारी भी जुड़ी हुई है। बच्चों की अच्छी परवरिश अच्छे समाज की नींव भी है। बचपन में आप बच्चों को जो भी सिखाते हैं, वे बातें उनके मन पर छप जाती है। बड़े होने पर उनकी पर्सनैलिटी के लिए बचपन के अनुभव और परवरिश भी जिम्मेदार होती हैं। आपने कुछ लोगों को देखा होगा कि उनमें प्रतिभा होने के बाद भी आत्मविश्वास की कमी होती है। इसके कई कारण हो सकते हैं लेकिन बचपन में कुछ बातें भी इसके लिए जिम्मेदार हैं। ऐसे में हर माता–पिता को कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए–

बच्चों का मजाक न उड़ाएं

कोई भी बात कितनी बड़ी है या छोटी, यह नजरिए के साथ उम्र पर भी निर्भर करती है। जैसे, आपके लिए बेड से जम्प करके नीचे कूदना, फुटबॉल पर किक करना छोटी बात हो सकती हैं, लेकिन किसी बच्चे के लिए ये बातें बहुत मैटर करती हैं। आपको कभी भी बच्चे की छोटी से छोटी बातों का मजाक नहीं उड़ाना चाहिए।

बच्चों की तुलना करने से बचें

हर बच्चा प्यारा होता है। सभी की अलग आदतें होती हैं लेकिन बचपन में एक आदत कॉमन होती है, वे है दूसरे बच्चों को अच्छा बताने पर बच्चे इसे मन पर ले लेते हैं। ऐसे में सम्भावना रहती है कि बच्चे दूसरे बच्चों से चिढ़ने लगते हैं या खुद को कमतर समझने लगते हैं इसलिए बच्चों की तुलना करने से बचें।

हर काम में कमी निकालना

बचपन में किसी भी काम को परफेक्टली करने से ज्यादा जरूरी है, बच्चों का कोई न कोई एक्टिविटी करते रहना। ऐसा करने से बच्चे की एनर्जी सही दिशा में लगती है। जैसे, अगर आपका बच्चा पेंटिंग करता है, तो उसकी पेंटिंग में कमियां निकालने की जगह उसकी अच्छी चीजों की तारीफ करें।

दूसरों के सामने बच्चों की बुराई

कई माता–पिता दूसरे लोगों या आस–पड़ोस में अपने बच्चों की शिकायतें करते रहते हैं। कई बार माता–पिता मजाक की तरह या सिर्फ गपशप करने के इरादे से भी ऐसा करते हैं लेकिन बच्चे के मन में ये बातें घर कर जाती हैं और उनका आत्मविश्वास डगमगाने लगता है।

बच्चों को छोटी–छोटी बातों पर पीटना

बचपन में हुई कोई भी गलती इतनी बड़ी नहीं होती, जिसपर बच्चों को पीटकर ही समझाया जाए। बच्चों को हर छोटी बातों पर मारने से वे खुद को सेफ फील नहीं करते। उन्हें हमेशा लगता है कि वे बहुत बुरे हैं और उनके मम्मी–पापा उन्हें बिल्कुल पसंद नहीं करते। साथ ही उनके अंदर असुरक्षा की भावना इतनी बढ़ जाती है कि वे डरने लगते हैं।

क्रिएटिव तरीकों को अपनाएं और बच्चों के साथ बिताएं क्वालिटी टाइम

वर्तमान समय में, बच्चों को सबसे ज्यादा जिस चीज की जरूरत होती है वह है माता-पिता का समय। आमतौर पर पैरेंट्स अपने बच्चों को हर सुख-सुविधा देना चाहते हैं और इसलिए वे कड़ी मेहनत करते हैं। लेकिन इस बीच वे यह भूल जाते हैं कि लग्जरी आइटम से भी ज्यादा बच्चे अपने माता-पिता का साथ, उनका प्यार व समय चाहते हैं। इसलिए आप उनके लिए मेहनत करें लेकिन फिर भी उनके साथ क्वालिटी टाइम बिताना ना भूलें। यह कहीं ना कहीं आपके भीतर के तनाव को भी कम करने में मददगार होगा।

अगर आप भी बच्चों के साथ क्रिएटिव तरीके से एक अच्छा समय बिताना चाहते हैं और आपको समझ नहीं आ रहा है कि वास्तव में क्या किया जाए तो परेशान ना हों। आज इस लेख में हम आपको बच्चों के साथ क्वालिटी टाइम बिताने के कुछ क्रिएटिव आईडियाज के बारे में बता रहे हैं, जो यकीनन आपको भी काफी पसंद आएंगे–

बनाएं मार्निंग रूटीन

कहते हैं कि दिन की शुरूआत जैसी होती है, पूरा दिन भी वैसा ही गुजरता है। इसलिए अगर संभव हो तो आप बच्चे के साथ एक मार्निंग रूटीन सेट कर सकती हैं। इसमें आप कंबल तय करने से लेकर उनके साथ पार्क में वॉक कर सकते हैं या फिर बच्चों के साथ योगाभ्यास करना भी एक अच्छा आईडिया है। इससे आप ना सिर्फ उनके साथ अच्छा समय बिता पाते हैं, बल्कि इससे उनका शारीरिक व मानसिक विकास होने में भी मदद मिलती है।

प्लॉन करें गेम्स

सुनने में आपको शायद यह बेहद ही सिंपल नजर आए, लेकिन वास्तव में इस तरीके से आप ना सिर्फ बच्चों के साथ एक फन टाइम बिता सकते हैं, बल्कि इससे आपके लर्निंग स्किल्स और रचनात्मकता को भी बढ़ा सकती हैं। आप उनके साथ कुछ ऐसे गेम्स खेलें, जिसमें उनकी फिजिकल और मेंटल एक्सरसाइज हो।

बेडटाइम स्टोरीज को ना भूलें

अगर आप पूरा दिन काफी बिजी रहते हैं तो ऐसे में आप रात के समय एक रूटीन बना सकते हैं, जिसमें आप बेडटाइम पर उन्हें कहानी सुनाएं। बेडटाइम आमतौर पर आपके बच्चे की कल्पना को उत्तेजित करने का समय होता हैं। साथ ही साथ कहानियां सुनने से उन्हें नींद भी अच्छी आती है जो उनके शारीरिक और मानसिक विकास के लिए जरूरी है। अगर आपका बच्चा उम्र में थोड़ा बड़ा है तो आप कुछ ऐसा भी कर सकते हैं कि एक दिन कहानी आप सुनाएं और दूसरे दिन उन्हें सुनाने के लिए कहें। बच्चे कहीं पर पढ़ी या सुनी हुई स्टोरीज के साथ–साथ खुद भी एक कहानी बनाकर आपको सुना सकते हैं।

एक्टिविटीज में आएगा बेहद मजा

बच्चों को हमेशा कुछ ना कुछ नया करना काफी अच्छा लगता है। ऐसे में आप घर में रखी पुरानी चीजों की मदद से उनके साथ कोई एक्टिविटी कर सकती हैं। आप घर के लिए कोई डेकोर आइटम तैयार करें या फिर उन्हें पेंट करने दें। इसी तरह जब आप उनके साथ अलग–अलग एक्टिविटीज करेंगी तो इससे वह खुद भी कई चीजें बनाने के लिए प्रेरित होंगे और उनके दिमाग में कई नए आईडियाज आएंगे।

कपड़ों की सिलवटें बिना प्रेस किए भी हो सकती हैं दूर

आपका अचानक किसी जरूरी मीटिंग या पार्टी में जाने का प्लान बने और जैसे ही आप वहां पहनने के लिए अलमारी से कपड़े निकालें कि लाइट चली जाए या प्रेस खराब हो जाए, ऐसा अक्सर कई लोगों के साथ हुआ होगा। ऐसी स्थिति में मन में पहला ख्याल यही आता है, काश! कोई ऐसा तरीका होता जिससे बिना प्रेस किए कपड़ों की सिलवटें अपने आप दूर हो जाती। अगर आपने भी कभी ऐसी ही कोई विश की है तो आपकी विश को पूरा करते हुए आपको बताते हैं वो असरदार तरीके, जिनकी मदद से आप कपड़ों की सिलवटों को बिना प्रेस किए भी आसानी से हटा सकते हैं।

बिना प्रेस कपड़ों से हटाएं सिलवटें

टॉवल– टॉवल की मदद से कपड़ों की सिलवटें दूर कर सकती हैं। इसके लिए सिलवट वाले कपड़े को बिछा दें और फिर गीले टॉवल से कपड़े की सिलवट वाली जगह को दबाएं। ऐसा करने से कपड़े की सिलवटें दूर हो जाएंगी।

भारी सामान –जिस कपड़े पर सिलवट हैं उसे मैट्रेस या किसी भारी सामान के नीचे कुछ घंटों के लिए दबाकर रख दें। इससे आपके कपड़ों की सिलवटें निकल जाएंगी।

स्प्रे बोतल–पानी में सिरका मिलाकर उसे एक स्प्रे बोतल में डालकर सिलवट वाली जगह डालें। ऐसे में कपड़े के सूखने के बाद सिलवटें नजर नहीं आएंगी।

भारी बर्तन – छोटे भारी बर्तनों की मदद से भी आप अपने कपड़ों की सिलवटों को दूर कर सकते हैं। इसके लिए एक भारी तले के बर्तन को तेज आंच पर गर्म करके प्रेस की तरह कपड़ों की सिलवटों को दूर करें। बर्तन की तली साफ रखें वरना कपड़े दाग लगने से गंदे हो सकते हैं।

ब्लो ड्रायर– ब्लो ड्रायर की मदद से भी सिलवटों को दूर किया जा सकता है। कपड़ों की सिलवटें दूर करने के लिए सबसे पहले आपको जिस कपड़े की सिलवट दूर करनी है, उसे बिछा लें और इस पर हल्के हाथ से पानी की कुछ बूंदें डालकर ब्लो ड्रायर की मदद से सिलवटें दूर करें।

आइस क्यूब– वॉशिंग मशीन के ड्रायर में 2– 4 आइस क्यूब के साथ अपने सिलवट वाले कपड़े भी डालकर ड्रायर चला दें। इसके बाद कपड़ों को ड्रायर से निकालकर कपड़ों को हल्के से झटक कर टांग दें। आपके कपड़ों की सिलवटें दूर हो जाएंगी।

जिले में एसआईआर अभियान की अंतिम सूची का प्रकाशन मंडावा विधानसभा में कुल 243095 मतदाता 127372 पुरुष,115723 महिलाएं व 1 ट्रांसजेंडर है मतदाता

जिले में 934983 पुरुष, 835468 महिलाएं तथा 8 ट्रांसजेंडर सहित 1770459 मतदाता शामिल

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । भारत निर्वाचन आयोग द्वारा राज्य में 27 अक्टूबर 2025 से शुरू हुए मतदाता सूचियां के विशेष गहन पुनरीक्षण (एस आईआर) कार्यक्रम के तहत 4 नवंबर 2025 से 11 दिसंबर 2025 तक गणना चरण के उपरांत दिनांक 16.12.2025 को प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन किया गया था, जिसमें झुंझुनू जिले में कुल मतदाताओं की संख्या 1731950 थी। जिले के मंडावा विधानसभा में अब कुल 243095 मतदाता हैं जिसमे 127372 पुरुष,115723 महिलाएं व 1 ट्रांसजेंडर मतदाता है। 16 दिसंबर 2025 को एसआईआर के प्रारंभ में कुल संख्या 238807 थी,अंतिम प्रकाशन से पूर्व 16 दिसंबर 2025 को पुरुषों की संख्या 125345 थी जिसमे 2192 ओर मतदाता सूची में नाम जुड़े जिसमे 165 डिलीटेड होने पर कुल मतदाता 127372 है। वहीं महिला मतदाता पूर्व में 113462 थी जिसमे 2491 जोड़े गए ओर अंतिम प्रकाशन पर 230 नाम डिलीटेड हुए। शेष 115723 महिला मतदाता हैं। वहीं 1 ट्रांसजेंडर मतदाता भी हैं। मतदान केंद्र भी पूर्व में 256 थे अब इनकी संख्या 277 हो गई है। जिले में मंडावा सहित सात विधानसभा क्षेत्र है

जिले में विधानसभा मतदाताओं की संख्या :- पिलानी विधानसभा क्षेत्र मे 127912 पुरुष, 115464 महिलाएं एवं 1 ट्रांसजेंडर सहित 243377 कुल मतदाता रहेंगे। सूरजगढ़ विधानसभा क्षेत्र में 145606 पुरुष, 129900 महिलाओ सहित 275506 मतदाता रहेंगे। झुंझुनूं विधानसभा क्षेत्र में 138688 पुरुष, 125053 महिला एवं 2 ट्रांसजेंडर सहित 263743 मतदाता रहेंगे। इसी प्रकार मंडावा विधानसभा क्षेत्र में 127372 पुरुष, 115722 महिलाएं एवं 1 ट्रांसजेंडर सहित कुल 243095 मतदाता रहेंगे। नवलगढ़ विधानसभा क्षेत्र में 144513 पुरुष, 129400 महिलाएं तथा 2 ट्रांसजेंडर सहित 273915 मतदाता पंजीकृत रहेंगे। उदयपुरवाटी में 133044 पुरुष, 117329 महिलाएं एवं 2 ट्रांसजेंडर सहित 250375 मतदाता रहेंगे। खेतड़ी में 117848 पुरुष, 102600 महिला सहित 220448 कुल मतदाता रहेंगे। जिले में 934983 पुरुष, 835468 महिलाएं तथा 8 ट्रांसजेंडर सहित 1770459 मतदाता रहेंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ अरुण गर्ग ने बताया कि आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम अनुसार 16 दिसंबर 2025 से 19 जनवरी 2026 तक दावे आपत्तियां प्राप्त किए गए। इस अवधि में जिले में 49621 फॉर्म 6/6 ए, 9337 फॉर्म 7 तथा 19235 फॉर्म 8 प्राप्त हुए। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरन अधिकारी द्वारा दावे एवं पत्तियां हेतु प्राप्त आवेदन पत्रों की सूची में फॉर्म 9, 10, 11, 11 ए और 11 बी में तैयार की गई ओर ऐसी सूचियां को नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि 21 फरवरी 2026 को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया गया, जिसमें 1731950 मतदाताओं में 2.22' वृद्धि के उपरांत कुल मतदाताओं की संख्या 1770459 हो चुकी है। उक्त सूचिया जिला निर्वाचन अधिकारी एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर ऑनलाइन उपलब्ध है तथा कोई भी मतदाता इस सूची में अपना नाम ऑनलाइन एपिक सर्च के माध्यम से देख सकता है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को भी बैठक आयोजित कर जानकारी प्रदान की गई। उन्होंने बताया कि मतदाता सूची में नाम जुड़वाना, हटाना, प्रविष्टि में संशोधन एक अनवरत प्रक्रिया है जो सतत जारी रहेगी।

स्काउट गाइड रोवर रैंजर ने संभाला मोर्चा

स्काउट दुनिया का सबसे बड़ा सेवादारी संगठन- प्रधान एडवोकेट जनार्दन शर्मा

भीम प्रज्ञा न्यूज.पलसाना।

बाबाश्याम के वार्षिक लक्खी मेले में राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड जिला मुख्यालय सीकर के संयुक्त तत्वाधान में स्थानीय संघ पलसाना एवं स्थानीय संघ खाटूश्याम जी का सेवा शिविर शनिवार को प्रारंभ किया गया। स्थानीय संघ पलसाना सचिव एवं शिविर संचालक पवन कुमार शर्मा ने बताया कि स्थानीय संघ के सेवा शिविर का शुभारंभ स्थानीय संघ खाटू श्याम जी के प्रधान एडवोकेट जनार्दन शर्मा की अध्यक्षता एवं बिडदीचंद मुवाल प्रिंसिपल सुबोध सीनियर स्कूल के मुख्य आतिथ्य में ईश वंदना के साथ शुरू किया गया। प्रधानाचार्य मुवाल ने स्काउट गाइड रोवर्स को अनुशासित रहकर सेवा करने की बात कही। शिविर संचालक पवन कुमार शर्मा ने बताया कि प्रथम दिवस आवास, पंजीयन, शिविर के नियम,सेवा कार्य हेतु स्थानों का विजिट , मेला परिक्षेत्र के विभिन्न स्थानों की जानकारी, एवं आवश्यक सुविधाओं के बारे में जानकारी दी गई। लक्ष्मण सिंह गढ़वाल, हरि सिंह मुवाल ने भी अपने विचार व्यक्त किये। प्रधान एडवोकेट जनार्दन शर्मा ने कहा कि स्काउटिंग गाइडिंग देश का सबसे बड़ा सेवादारी संगठन

है। स्काउट गाइड रोवर रेंजर के द्वारा की जाने वाली सेवा वास्तव में सराहनीय है। श्याम भक्त किशन लाल ने श्याम भजन सुना कर खूब तालियां बटोरी। इस दौरान एडवोकेट जनार्दन शर्मा डॉक्टर चंद्र प्रकाश शर्मा सचिव विष्णु शर्मा सचिव पवन कुमार शर्मा सुबोध कुमार शर्मा रचना अग्रवाल महेश कुमार रमेश कुमार योगी हरि सिंह मुवाल रामप्रसाद भास्कर लक्ष्मण राम गढ़वाल बिडदी चंद्र मुवाल रीटा शर्मा आदि मौजूद थे।

डाइकिन एयरकंडीशनिंग इंडिया प्रा. लिमिटेड में फैमिली विज़िट डे का सफल आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । नीमराना जापानी जोन के डाइकिन एयरकंडीशनिंग इंडिया प्रा. लिमिटेड, नीमराना प्लांट में शनिवार को फैमिली विज़िट डे का सफल आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर कर्मचारियों के परिवारजनों को प्लांट भ्रमण के लिए आमंत्रित किया गया, जहाँ उन्होंने उस कार्यस्थल को करीब से देखा जहाँ उनके परिजन प्रतिदिन अपने दायित्व निभाते हैं। डाइकिन हमेशा से अपने कर्मचारियों को सुरक्षित, स्वच्छ और सकारात्मक कार्य संस्कृति प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। फैमिली विज़िट डे का उद्देश्य कर्मचारियों के परिवारों को कंपनी के कार्य वातावरण से जोड़ना और उनके मन में विश्वास एवं गर्व की भावना को और मजबूत करना था। यह पहल डाइकिन द्वारा कर्मचारियों और उनके परिवारों के साथ संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने की एक नवोन्मेषी कोशिश है।

कार्यक्रम का नेतृत्व एचआर विभाग के संदीप हुड्डा, दीपक कुमार और मोनिका मिश्रा ने किया, जिन्होंने आगंतुकों का स्वागत करते हुए प्लांट की कार्यप्रणाली, सुरक्षा मानकों और सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। परिवारजनों ने इस पहल की सराहना करते हुए डाइकिन की कार्य संस्कृति, सुरक्षित वातावरण और कर्मचारियों के प्रति उनके संवेदनशील दृष्टिकोण की प्रशंसा की।

महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास लक्ष्मनगढ में कंप्यूटर कक्ष का लोकार्पण समारोह आज

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर सेठों की कोठी से बैरास जाने वाले रास्ते पर निर्माणाधीन महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास लक्षमनगढ में रविवार 22 फरवरी को कंप्यूटर कक्ष का लोकार्पण समारोह आयोजित होगा। यह जानकारी देते हुए महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास निर्माण समिति के प्रवक्ता मनोज राकसिया ने बताया कि समिति के अध्यक्ष अनिल कुमार बागड़ी ने छात्रावास के अध्यक्ष का पदभार ग्रहण करने के बाद कंप्यूटर कक्ष के अभाव को महसूस किया तथा छात्रावास के विधार्थियों व लाइब्रेरी में अध्ययन करने वाले विधार्थियों के लिए महत्ती आवश्यकता बताते हुए कंम्पयूटर कक्ष तैयार करने का निर्देश देते अपनी ओर से एक कंप्यूटर व प्रिंटर देने का ऐलान किया तथा तत्काल प्रभाव से एक कंप्यूटर व प्रिंटर खरीद छात्रावास को भेंट किया जिसका लोकार्पण रविवार 22 फरवरी को शाम 4 बजे बजे होगा। समिति के पदाधिकारी सदस्यों ने छात्रावास अध्यक्ष की ओर से विधार्थियों के लिए की गई कंप्यूटर व प्रिंटर की व्यवस्था के लिए प्रसन्नता जाहिर करते हुए आभार व्यक्त किया।

पंजाब नेशनल बैंक कृषक प्रशिक्षण केंद्र का 21वां स्थापना दिवस मनाया

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । पंजाब नेशनल बैंक के कृषक प्रशिक्षण केंद्र, नीमराना में आज 21वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अग्रणी जिला प्रबंधक कोटपूतली-बहरोड़ मोहनलाल मीणा रहे। केंद्र के निदेशक रंजीत कुमार यादव एवं अग्रणी जिला बैंक कार्यालय से विजय कुमार ने केक काटकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर कंप्यूटर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों को प्रमाण -पत्र वितरित किए गए तथा किसानों को सब्जियों के बीज (वेजिटेबल किट) प्रदान किए गए। कार्यक्रम में उपस्थित किसानों को केंद्र में संचालित विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी गई। बताया गया कि केंद्र पर किसानों के लिए एकदिवसीय, द्विदिवसीय एवं त्रिदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इसके अतिरिक्त किसानों के बच्चों के लिए बेसिक एवं टैली सहित कंप्यूटर कोर्स तथा महिलाओं के लिए सिलाई, ब्राइडल लहंगा सिलाई, बैग मेकिंग आदि रोजगारपरक प्रशिक्षण संचालित किए जा रहे हैं। निदेशक रंजीत कुमार यादव ने जानकारी दी कि आगामी अप्रैल माह में RSETI Alwar के माध्यम से 'असिस्टेंट बुक कीपर (कंप्यूटर

अकाउंटिंग)' का नया बैच प्रारंभ किया जाएगा, जिसमें 35 प्रशिक्षणार्थियों का चयन 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर किया जाएगा। मुख्य अतिथि मोहन लाल मीणा ने अपने संबोधन में कहा कि यह केंद्र केवल प्रशिक्षण देने तक सीमित नहीं है, बल्कि किसानों के सपनों को साकार करने एवं उन्हें बैंकिंग सेवाओं से जोड़ने का सशक्त माध्यम है। वर्ष 2005 से संचालित यह केंद्र ग्रामीण विकास, कृषि उन्नयन एवं वित्तीय सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

ऋषिकुल स्कूल में स्वास्थ्य जांच शिविर एवं पीटीएम का हुआ आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

स्थानीय ऋषिकुल स्कूल में शनिवार को अभिभावक-शिक्षक बैठक के साथ स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। यह जानकारी देते हुए प्राचार्य डॉ रेखा शर्मा ने बताया कि इस अवसर पर विद्यार्थियों के शैक्षणिक प्रदर्शन पर विस्तार से चर्चा की गई तथा उनके स्वास्थ्य की जांच भी की गई। स्वास्थ्य जांच शिविर का संचालन डॉ. गायत्री जांगिड़ द्वारा किया गया। उनके साथ टीम के सदस्य बिंदु अशोक, अज्जुदीन पठान, नंदनी, राखी, विशेष एवं पलक उपस्थित रहे। सभी टीम सदस्यों ने विद्यार्थियों की संपूर्ण स्वास्थ्य

जांच कर आवश्यक सुझाव प्रदान किए।इस अवसर पर विद्यालय परिवार की ओर से डॉक्टर अभिषेक एवं नेहा पारीक को विशेष सहयोग के लिए धन्यवाद व्यक्त किया।

ब्लॉक स्तरीय कृषक प्रशिक्षण आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

पंचायत समिति में नेशनल मिशन ऑन एडिबल ऑयल -तिलहन योजनांतर्गत सरसों विषय पर दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का शनिवार को समापन हुआ। कृषि विशेषज्ञो ने तेल क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने हेतु किसानों को तिलहन उत्पादन को बढ़ाने के गुर सिखाए एवं साथ ही साथ ज्यादा से ज्यादा भूमि जोत क्षेत्र में तिलहन फसलों की बुवाई की सलाह दी ।कार्यक्रम के दौरान किसानों का प्रतिनिधित्व करते हुए कृषक मास्टर ट्रेनर अरुण शर्मा ने

प्राकृतिक विधि से तैयार अपने उत्पादों से दुगुनी आय का अनुभव साझा किया। कृषक प्रशिक्षण के दौरान रामनिवास ढाका अतिरिक्त सहायक निदेशक सीकर, राजश्री यादव कृषि विशेषज्ञ, हरिराम कृषि विशेषज्ञ राजेश कुमार धायल सहायक कृषि अधिकारी, प्रभु दयाल कृषि पर्यवेक्षक रहनावा, श्रीमती अनिता झुरियां कृषि पर्यवेक्षक नरोदड़ा और कृषक मित्र कैलाश सिंह चारण उपस्थित रहे।

जल जीवन मिशन के तहत पथाना में पेयजल टंकी का शिलान्यास, हर घर तक पहुंचेगा शुद्ध जल

भीम प्रज्ञा न्यूज.पचेरी।

जल जीवन मिशन के तहत ग्राम पंचायत गुंती के पथाना गांव में बड़ी क्षमता वाली पेयजल टंकी के निर्माण कार्य का विधिवत शिलान्यास किया गया। कालेडा जोहड़ में आयोजित कार्यक्रम में ग्राम पंचायत के सरपंच नीरज राव ने भूमि पूजन कर कार्य का शुभारंभ किया। सरपंच नीरज राव ने बताया कि इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र की प्रत्येक ढाणी और घर तक नल के माध्यम से स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराना है। टंकी निर्माण पूर्ण होने के बाद क्षेत्र के ग्रामीणों को नियमित जल आपूर्ति मिलेगी, जिससे लंबे समय से बनी पेयजल समस्या

का स्थायी समाधान होगा।उन्होंने कहा कि यह योजना गांव के विकास में मील का पत्थर साबित होगी और आमजन को पानी की किल्लत से राहत मिलेगी। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्य से जुड़े सभी कर्मचारियों और ठेकेदारों को गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ कार्य करने की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में एल एंड टी कंपनी के इंजीनियर अमित चौधरी, क्यूए/क्यूसी ईआर अविनाश, पीएमएससी इंजीनियर नरेंद्र व प्रदीप, ठेकेदार पंकज, बबलू, संदीप यादव, अनूप, अजीत, रिंकू, अजय, प्रदीप सहित अनेक ग्रामीण मौजूद रहे। समारोह में ग्रामीणों ने इस पहल का स्वागत करते हुए शीघ्र कार्य पूर्ण होने की अपेक्षा जताई।

देश के सम्मान के साथ खिलवाड़ करना कांग्रेस की राजनीति का निम्नतम स्तर- डॉ. वंदना पोपली

समिट में कांग्रेस द्वारा किया जा रहा प्रदर्शन पूरी तरह से राजनीतिक नौटंकी

भीम प्रज्ञा न्यूज.रेवाड़ी।

भांडोरिया । भारत एआई इम्पैक्ट समिट में कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए अमर्यादित और गैर-कानूनी व्यवहार की भारतीय जनता पार्टी रेवाड़ी की अध्यक्ष डॉ. वंदना पोपली ने कड़े शब्दों में निंदा की है। डॉ. पोपली ने इसे भारतीय लोकतंत्र और वैश्विक पटल पर देश की छवि को धूमिल करने वाला कृत्य करार दिया। डॉ. वंदना पोपली ने कहा कि जब भारत दुनिया को तकनीकी शक्ति और एआई नवाचार के क्षेत्र में नेतृत्व दिखा रहा है, तब कांग्रेस के कार्यकर्ता शर्टलेस प्रदर्शन कर भारत की गरिमा को ठेस पहुँचा रहे हैं। उन्होंने नैतिकता का उल्लेख करते हुए कहा कि 'स्वतंत्रता का अर्थ उच्छृंखलता

नहीं है। लोकमान्य तिलक ने कहा था कि स्वराज्य हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है, लेकिन उन्होंने यह भी सिखाया कि अधिकार के साथ कर्तव्य और मर्यादा का पालन अनिवार्य है।' डॉ. पोपली ने कहा कि विरोध करना लोकतंत्र का हिस्सा है, लेकिन विदेशी मेहमानों और वैश्विक मंच के सामने इस प्रकार का अराजक आचरण केवल कांग्रेस की वैचारिक रिक्तता को दर्शाता है। राहुल गांधी पर तीखा प्रहार करते हुए डॉ. वंदना पोपली ने कहा कि यह कोई संयोग नहीं बल्कि एक सोची-समझी साजिश है। उन्होंने कहा, 'राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस आज विकास विरोधी और तकनीक विरोधी बन चुकी है। जब देश प्रगति करता है, तो कांग्रेस नेतृत्व को पीड़ा होती है। राहुल गांधी अपने कार्यकर्ताओं को शालीनता सिखाने के बजाय उन्हें देश की छवि खराब करने के लिए उकसा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा था कि 'सत्य और अहिंसा ही मेरा धर्म है ', लेकिन आज की कांग्रेस गांधी जी के नाम का सहारा लेकर केवल अशांति और नकारात्मकता फैला रही है।अंत में डॉ. पोपली ने कहा कि रेवाड़ी की जनता और पूरा देश देख रहा है कि कैसे एक पुरानी पार्टी अपने राजनीतिक अस्तित्व को बचाने के लिए देश के 'सॉफ्ट पावर' पर हमला कर रही है। उन्होंने माँग की कि कांग्रेस नेतृत्व को इस शर्मनाक घटना के लिए राष्ट्र से क्षमा माँगनी चाहिए।साथ ही जिला अध्यक्ष ने कहा भाजपा जिला संगठन पूरी मजबूती से इस विषय पर सरकार के साथ खड़ा है और हम किसी भी प्रकार की भ्रामक राजनीति का डटकर जवाब देंगे।

ओम शिव गोरक्ष गौशाला व आश्रम रोरू बड़ी में नंदीशाला का लोकार्पण व गुरूकुल के लिए भूमि पूजन समारोह आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

रोरू बड़ी में ओम शिव गोरक्ष गौशाला व आश्रम में नंदीशाला लोकार्पण एवं गुरुकुल के भूमि पूजन समारोह एवं आदियोगी प्रतिमा के अनावरण समारोह आयोजित हुआ। इस अवसर पर संत कमलनाथ महाराज एवं विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल लक्ष्मणगढ़ प्रखंड के संयुक्त तत्वाधान में हिंदू सम्मेलन एवं दंड दीक्षा कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बाल योगी रुपनाथ महाराज मंहत गोरक्ष टीला गोगामेड़ी उपस्थित थे।संत रूपनाथ महाराज ने अपने आशीर्वचन में सामाजिक सरोकार के कार्यो एवं हिंदूओं की घटती जनसंख्या पर चिंता जताई।मंहत कमलनाथ महाराज ने शस्त्र और शास्त्र की आवश्यकता बताते हुए समरसता के भाव से भारत के परम वैभव पर पहुंचने की बात बताई।इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद के धर्माचार्य संपर्क की

प्रांत टोली के सदस्य रतन सिंह बगड़ी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पंच परिवर्तनों के विषय में विस्तार पूर्वक बताया। इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष मनोज शर्मा ने सनातन धर्म व हिंदू संस्कृति की महती आवश्यकताओं पर प्रकाश डालते हुए सभी को दंड दीक्षा की प्रतिज्ञा दिलवाई। इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद सीकर के कोषाध्यक्ष अमन कामदार ने वर्तमान में हिंदू समाज के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में बताते हुए धर्मांतरण, लव जिहाद एवं अवैध घुसपैठ के बारे में विस्तृत रूप से बताया।इस अवसर लक्ष्मणगढ़ प्रखंड अध्यक्ष रामपाल कुमावत ने संगठन की रीति-नीति करवाई एवं धन्यवाद ज्ञापित किया।इस अवसर पर सुरजन नाथ महाराज घाणा, कृष्ण नाथ महाराज लक्ष्मणगढ़, सुंदरनाथ महाराज बाला का बास,योगी कंवरनाथ महाराज,योगी मुकेशनाथ महाराज सुरजगढ़,कृष्णनाथ महाराज भिवानी,ओमनाथ महाराज गोरक्ष टीला, निवास सरपंच कोटपूतली, सुभाष ढाका भूमा बड़ा, देवीसिंह मील, पंचायत समिति सदस्य खूमाराम ढाका पंकज शर्मा सहित अनेक संत व सैकड़ों गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

रेवाड़ी में प्राकृतिक खेती पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ, कई ज़िलों से पहुंचे प्रगतिशील किसान

भीम प्रज्ञा न्यूज.रेवाड़ी।

भांडोरिया। हरियाणा मैनेजमेंट एंड एग्रीकल्चर एक्सटेंशन ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (हमेटी), जींद द्वारा प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रगतिशील किसानों के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ कृषि विभाग, माडल टाउन पर किया गया। कार्यक्रम के आयोजक डॉ. जोगिंद्र सिंह यादव, डीन केआर मंगलम यूनिवर्सिटी, गुरुग्राम ने सभी का जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुंचे 55 प्रगतिशील किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह प्रशिक्षण शिविर केआर मंगलम यूनिवर्सिटी गुरुग्राम के माध्यम से हमेटी जींद के सौजन्य दक्षिण हरियाणा में तीसरा आयोजन है जिसमें किसानो ने बहुत ही रुचि से भाग लिया। कार्यक्रम में कृषि विभाग रेवाड़ी के खंड कृषि अधिकारी डॉ. अनिल यादव ने प्राकृतिक खेती की उपयोगिता पर अपने विचार रखते हुए कृषि विभाग की विभिन्न स्कीमों के बारे में बताया। उन्होंने किसानों को प्राकृतिक खेती से जुड़ी

महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान कीं। डॉ. ज़ोगिंद्र यादव ने बताया कि हमेटी द्वारा प्रदेशभर में ऐसे तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि रासायनिक खेती छोड़कर प्राकृतिक खेती अपनाने वाले किसानों को उचित मार्गदर्शन मिल सके। उन्होंने कहा कि महिला किसानों को भी किचन गार्डन लगाने के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है, जिससे घर तक ताजी और हरी सब्जियां पहुंच सकें और परिवार स्वस्थ रह सके। साथ ही प्रशिक्षण के माध्यम से खेती में आने वाली समस्याओं और उनके समाधान की जानकारी भी दी जा रही है। क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र के सस्यवैज्ञानिक डा़ सतजीत ने प्राकृतिक खेती में जीवामृत, घनजीवमृत एवं अन्य प्राकृतिक खेती में उपयोगी आदानों की तैयार करने व उपयोग करने का तरीक़ा एवं इनके प्रयोग से फसलों में होने वाले लाभ के बारे में विस्तार से बताया। डॉ. जय नाथ पटेल ने प्राकृतिक खेती में मृदा स्वास्थ्य को सबसे महत्वपूर्ण बताते हुए हरी खाद के प्रयोग पर जोर दिया। उन्होंने मिट्टी और पानी की जांच के लिए नमूने लेने की सही विधि बताई और किसानों को मृदा संरक्षण पर विशेष ध्यान देने के लिए प्रेरित किया। डॉ. अनिल लांबा ने प्राकृतिक खेती से संबंधित कृषि विभाग की विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी, ताकि किसान इन योजनाओं का लाभ उठाकर अपनी आय में वृद्धि कर सकें। आयोजकों ने बताया कि यह प्रशिक्षण शिविर आगामी दो दिनों तक जारी रहेगा। इस दौरान किसानों को मार्केटिंग और एक्सपोर्ट, कीट व बीमारी की रोकथाम से जुड़े विषयों पर भी विशेषज्ञों के व्याख्यान दिए जाएंगे, जिससे उन्हें अपनी उपज के लिए बेहतर बाजार उपलब्ध कराने में सहायता मिल सकेगी। प्राकृतिक खेती में गाय के महत्व पर भी विशेष चर्चा होगी।

शिशु वाटिका आदर्श विद्या मंदिर में पुष्य नक्षत्र पर बच्चों को पिलाया स्वर्ण प्राशन अर्क

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । शिशु वाटिका आदर्श विद्या मंदिर में शनिवार को पुष्य नक्षत्र के शुभ अवसर पर शिशु वाटिका के भैया-बहनों को स्वर्ण प्राशन अर्क पिलाया गया। कार्यक्रम वंदना सभा के पश्चात आयोजित किया गया, जिसमें कुल 116 बच्चों को स्वर्ण प्राशन कराया गया। संस्था प्रधान श्याम सुंदर शर्मा ने बच्चों को स्वर्ण प्राशन कराते हुए इसके लाभों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि स्वर्ण प्राशन से शिशु तेजस्वी, ओजस्वी, मेधावी एवं स्वस्थ बनता है। इससे रोग प्रतिरोधक क्षमता और पाचन शक्ति में वृद्धि होती है। साथ ही स्मरण शक्ति, साहस एवं शौर्य जैसे गुणों का विकास होता है। उन्होंने बताया कि यह जठराग्नि को प्रदीप्त कर मौसमी बीमारियों से बचाव में सहायक माना जाता है तथा त्वचा के वर्ण में भी सुधार लाता है। उन्होंने बताया कि जन्म से लेकर 12 वर्ष तक के बच्चों को स्वर्ण प्राशन कराया जाता है। इस अवसर पर शिशु वाटिका की आचार्या दीदियां कृष्णा शर्मा, गुड्डी सैनी, अन्नपूर्णा स्वामी, संगीता शर्मा, पूजा मीणा सहित अनेक अभिभावक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा एवं उत्साह के साथ संपन्न हुआ।

नवलगढ़ में गूंजी सनातन एकता और समरसता की स्वर लहरियां

(कलश यात्रा में दिखा त्रिवेणी संगम, पूज्य संतों का मिला सानिध्य)

भीम प्रज्ञा न्यूज.नवलगढ़।

कमल किशोर पंवार । विराट हिंदू सम्मेलन के तत्वावधान में आयोजित भव्य कलश यात्रा ने रविवार को नगर में सनातन एकता और सामाजिक समरसता का संदेश गूंजा दिया। यात्रा का शुभारंभ नगर के तीन प्रमुख स्थलों—गणेश मंदिर, महर्षि मंगलदत्त स्थल और गायत्री शक्तिपीठ—से हुआ। गंगा, यमुना और सरस्वती के प्रतीक रूप में तीन धाराओं के रूप में सुसज्जित हजारों मातृशक्ति कलश धारण कर नगर के मुख्य मार्गों से शोभायात्रा के रूप में सूर्यमंडल मैदान पहुंचीं। मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर अभिनंदन किया। सभा स्थल पर पूज्य संतों के आगमन पर उपस्थित जनसमूह ने खड़े होकर पुष्पवर्षा से स्वागत किया। संतों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। सम्मेलन में 'सनातन गौरव–राष्ट्र गौरव' की भावना के साथ 60 से अधिक विशिष्ट व्यक्तियों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने गौ रक्षा, पर्यावरण संरक्षण, कुटुंब प्रबोधन, पारंपरिक चंग एवं मिट्टी के बर्तन निर्माण, संयुक्त परिवार परंपरा के निर्वहन तथा स्वच्छता अभियान में उल्लेखनीय योगदान दिया है। आयोजन समिति ने सभी संतों का साफा, शाल और पुष्पहार पहनाकर अभिनंदन किया। कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय भजन सम्राट प्रकाश माली ने गणेश वंदना से प्रस्तुति की शुरुआत की और एक घंटे से अधिक समय तक देशभक्ति गीतों व भजनों से श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। विभाग प्रचारक मुकेश कुमार ने कुटुंब प्रबोधन, सामाजिक समरसता, हिंदू जागृति एवं हिंदू पोषण जैसे विषयों पर विचार रखते हुए राष्ट्र निर्माण में संगठन की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने विश्व गुरु बनने की दिशा में समाज के कर्तव्यों और आवश्यक प्रयासों पर विस्तृत चर्चा की।

साध्वी डॉ. योग श्रीनाथ, संत अवधेशाचार्य एवं बुधगिरी मढ़ी से महंत दिनेश गिरी ने राष्ट्रीय निर्माण में महिलाओं की भूमिका, हिंदू धर्म के महत्व और सामाजिक एकता पर प्रेरक उद्बोधन दिया। वहीं मुकुंदगढ़ से संत शैलेंद्र नाथ, बऊधाम से संत ओमनाथ, चेतननाथ महाराज और योगी मोहन नाथ महाराज का भी पावन सानिध्य प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं भव्या और तृषा गुर्जर ने शक्ति स्वरूप में लाठी एवं तलवार संचालन का प्रदर्शन कर उपस्थित हजारों श्रद्धालुओं को रोमांचित कर दिया। कलश यात्रा में शामिल सौभाग्यशाली महिलाओं को 'भाग्यश्री' उपहार संतों के कर-कमलों से प्रदान किए गए। वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विशेष प्रस्तुति दी गई, जिसने पूरे वातावरण को राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत कर दिया। मंच संचालन लोकप्रिय हास्य कवि हरीश हिंदुस्तानी ने अपनी ओजपूर्ण कविताओं और सरस शैली से किया, जिससे कार्यक्रम का उत्साह कई गुना बढ़ गया। इस अवसर पर नवलगढ़ नगर के हजारों श्रद्धालु, मातृशक्ति एवं कार्यकर्ताओं ने सहभागिता कर सनातन एकता और सामाजिक समरसता का संकल्प दोहराया।

हाथी पर सजी बारात किशोरपुरा में शाही लवाजमे में गाजे-बाजे से पहुंचा दूल्हा लोगो में चर्चा

बीमार मां कमला देवी ने समाज को दिया बेटी बचाओ का प्रेरणा संदेश

कुमावत समाज में प्राचीन परम्परा और संस्कृति की अनूठी झलक

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी

सुमेर मीणा । जो सोच सकते हो वो कर भी सकते हो। ऐसा ही एक सपना एक बीमार माँ ने पूरा कर दिखाया किशोरपुरा गांव की कमला देवी कुमावत के एक पुत्री व दो पुत्र हैं वो शुरू से ही चाहती थी कि मेरी बेटी बेटों से कही कम नहीं रहे उसको जुनून था कि मेरी बेटी की शादी में दूल्हा हाथी पर चढ़ कर तोरण मारे गौरतलब है कि 20 फरवरी को श्रीमाधोपुर के हांसपुर से आई बारात ने किशोरपुरा में खास माहौल बना दिया जब दूल्हा राकेश विवाह स्थल हाथी पर सवार होकर पहुंचा गांव की गलियों में शाही अंदाज से निकाली बारात को देखने के लिए ग्रामीणों की भीड़ उमड़ पड़ी । हाथी-घोड़ी ढोल-नगाड़ों के शाही लवाजमे से निकली बारात ने विवाह समारोह को यादगार बना दिया। दुल्हन काजोल के पिता सुभाष कुमावत माता कमला देवी भाई नवीन कुमावत व सुमित कुमावत की इस अनोखी पहल की ग्रामीणो ने सराहना की हैं। इस शाही लवाजमे की खासी चर्चा है। ग्रामीणों ने कहा कि वर्षों बाद ऐसी शाही बारात देखने को मिली है। जिसने परंपरा और संस्कृति की शानदार झलक पेश की है। शादी समारोह में गांव के वरिष्ठ गणमान्य लोगों के साथ-साथ रिश्तेदार व आस-पास के कई प्रमुख लोग शामिल थे।

पिरामल फाउंडेशन के तत्वावधान में पचेरी कलां में निकली प्लास्टिक मुक्ति पर्यावरण रैली

भीम प्रज्ञा न्यूज.पचेरी।

पिरामल फाउंडेशन की ओर से फैलो सरोज जांगिड़ के नेतृत्व में ग्राम पंचायत पचेरी कलां में प्लास्टिक मुक्त पर्यावरण रैली का आयोजन किया गया। रैली का शुभारंभ राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय पचेरी कलां के प्रधानाचार्य प्रकाश चंद्र द्वारा किया गया। रैली से पूर्व सरोज जांगिड़ ने कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए बताया कि प्लास्टिक प्रदूषण पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बनता जा रहा है, इसलिए जनजागरूकता आवश्यक है। रैली विद्यालय से प्रारंभ होकर मुख्य बाजार, बस स्टैंड, आयुर्वेदिक औषधालय, मुख्य चौपाल, सीएलएफ (राजीविका) व सीएचसी होते हुए पुनः विद्यालय परिसर में संपन्न हुई। समापन अवसर पर राज्य स्तरीय सम्मानित शिक्षक डॉ. हरद्वारी लाल ने उपस्थित जनों को प्लास्टिक मुक्त पर्यावरण की शपथ दिलाई। उन्होंने प्लास्टिक से होने वाले नुकसान और इसके विकल्प अपनाने के उपायों पर विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान राबाउमावि पचेरी कलां की बालिकाओं द्वारा कार्बिक और इको ब्रिक का निर्माण किया गया। वहीं सीएलएफ अध्यक्ष राजबाला, ममता शर्मा, डिंपल सहित अन्य सदस्यों ने कपड़े के थैले तैयार कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। रैली के दौरान छात्राओं ने 'पर्यावरण बचाओ, प्लास्टिक दूर भगाओ' और 'प्रकृति को बचाना है, प्लास्टिक मुक्त बनाना है' जैसे प्रेरक नारे लगाकर माहौल को जागरूकता से भर दिया।कार्यक्रम में महेंद्र सिंह, पुष्पा चौधरी, सरोज बाला, उर्मिला, निशा यादव सहित अनेक ग्रामीणों ने भाग लेकर प्लास्टिक मुक्त अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया।

ऐतिहासिक धुलंडी जुलूस ,एकादशी जुलूस, फागोत्सव तैयारियों को लेकर बैठक 22 को

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । श्री सर्वहिशेषी व्यामशाला के तत्वाधान में बसंत पंचमी आरंभ हुए 40 दिवसीय कार्यक्रमों के तहत आयोजित होने वाले प्रस्तावित कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर समिति की 22 फरवरी को शाम 5 बजे अखाड़ा परिसर में समिति की बैठक आयोजित की जाएगी। संस्था के पीताम्बर मिश्रा, बाल किशन भाटीवाड़ा ने जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में विश्व स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान रखने वाला ऐतिहासिक धुलंडी जुलूस ,एकादशी जुलूस,फागोत्सव तैयारियों को लेकर बैठक 22 फरवरी को नगर के प्रबुद्ध लोगों सहित सर्व हितैषी व्यायाम शाला कार्यकर्ताओं की अखाड़ा परिसर में बैठक आयोजित होगी बैठक में संस्था द्वारा आयोजित होने वाले कार्यक्रमो में एकादशी जुलूस,फागोत्सव व धुलंडी जुलूस को लेकर कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार कर अंतिम रूप दिया जाएगा।

विनोद जाखड़ को एनएसयूआई का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर बलाई समाज बंधुओ ने हर्ष जताया

भीम प्रज्ञा न्यूज.चौमूं।

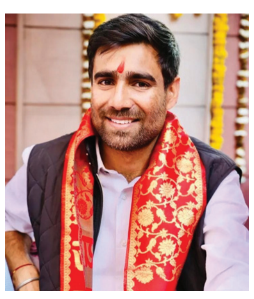

सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया । राजस्थान से पहली बार एनएसयूआई के प्रदेशाध्यक्ष विनोद जाखड़ को भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर बलाई समाज के लिए गर्व की बात है। विनोद जाखड़ को एनएसयूआई का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर बलाई विकास समिति जयपुर (मुख्यालय-चौमूं) के संरक्षक व सेवानिवृत बीएसएनएल मुख्य पर्यवेक्षक रामकिशोर राय, सेवानिवृत्त अतिरिक्त जिला कलेक्टर केआर बुनकर, समिति के अध्यक्ष एडवोकेट बद्रीनारायण परिहार, महासचिव सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया, उपाध्यक्ष नाथूलाल बराला, कालूराम सामरिया, एडवोकेट राधेश्याम बुनकर, राजपाल सिंह नारनोलिया, शंकरलाल सरावता, सेडूराम मेदवाल, उप महासचिव हनुमान सहाय झांटीवाल, उपकोषाध्यक्ष नानगराम लूनिवाल, गोपालचंद सोंगण, सचिव राजेंद्र प्रसाद काला, सांवरमल छेड़वाल, गोपाल लाल बुनकर, मूलचंद बॉयला, प्रहलाद राय जाटावत, सुभाषचंद गोरासरा, संगठन सचिव कैलाशचंद कालोया, मुकेश कुमार कालोया, गोपीराम मेहरड़ा, हरिनारायण मरोडिया, राजेंद्र प्रसाद वर्मा, नरेश कुमार रोजड़ा, कार्यकारी सदस्य घीसालाल बबेरवाल, चौथमल जाटावत, मूलचंद राय, कालूराम किरोड़ीवाल, गुलाबनाथ बुढगाया, सूर्य प्रकाश बाणिया, गोपाल लाल देवठिया, कैलाशचंद लाखीवाल, फूलचंद सिंगल, पूरणमल बबेरवाल, तुलसीराम बामणिया, समाजसेवी सुरेश कुमार महरिया, लालाराम महरडा, मनीष बिदावत, जालसू पंचायत समिति सदस्य व अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ जयपुर जिला देहात कांग्रेस सचिव सुनीता वर्मा, रामगोपाल छापोला, समाजसेवी सायरचंद बुनकर, मिलाप चंद नारनोलिया सहित सभी बलाई समाज बंधुओं ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कर हर्ष जताया।

सिलिकोसिस ने छीना सहारा, समाजसेवा ने दिया सम्मान, समाजसेवी ने कराई गरीब बेटी की धूमधाम से शादी

समाजसेवी रामचंद्र बैरवा बने संबल, उजड़े घर में लौटाई खुशियों की रौनक।

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । मंडावर उपखंड के गांव पाखर चौड़ाकी में उस वक्त इंसानियत ने अपने सबसे उजले रंग दिखाए, जब सिलिकोसिस जैसी घातक बीमारी से जूझते हुए दिवंगत रामनिवास बैरवा के उजड़े परिवार की सबसे बड़ी बेटी पिंकी बैरवा का विवाह पूरे मान-सम्मान और रीति-रिवाज से संपन्न कराया गया और इस पूरे दायित्व को कांग्रेस एससी प्रकोष्ठ मंडावर के ब्लॉक अध्यक्ष व प्रमुख समाजसेवी रामचंद्र बैरवा ने अपने कंधों पर उठाकर यह संदेश दे दिया कि जब व्यवस्था की दीवारें ऊंची हो जाएं, तब समाज का दिल दरवाजा बनकर खुलता है। अपनी गंभीर बीमारी के दिनों में रामनिवास बैरवा ने कहीं से रामचंद्र बैरवा का संपर्क नंबर पाकर अपनी दवाइयों और ऑक्सीजन सिलेंडर के लिए उनसे मदद मांगी थी, तब बिना किसी सोच विचार के समाजसेवी ने ऑनलाइन राशि भेजकर जीवन रक्षक सहायता की, पर नियति की मार के आगे जीवन हार गया तथा रामनिवास बैरवा की मृत्यु हो गई और उसके परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। मृतक की विधवा पत्नी, तीन जवान बेटियां और वृद्ध माता-पिता असहाय रह गए। तीन माह पहले जब मृतक के पीड़ित परिवार ने समाजसेवी रामचंद्र बैरवा को स्वंय के घर बुलाकर बड़ी बेटी पिंकी के रिश्ते और शादी की तय तारीख की जानकारी दी और शादी में सहयोग की गुहार लगाई, तब गरीबी की सच्चाई सामने देखकर उनका मन पसीज गया और उन्होंने विवाह का समस्त खर्च स्वयं उठाने का संकल्प लिया। इसके बाद समाजसेवी रामचंद्र बैरवा की टीम ने गरीब परिवार की बेटी की शादी की तैयारियों से लेकर रस्मों तक की पूरी जिम्मेदारी संभाली, आवश्यक सामग्री जुटाई, मेहमानों की व्यवस्था की और गांव की मर्यादा के अनुरूप विवाह संस्कार को सम्मानजनक रूप दिया। विवाह के दिन समाजसेवी रामचंद्र बैरवा और उनकी टीम परिवार के साथ खड़ी रही, बारात का आदरपूर्वक स्वागत हुआ और बेटी पिंकी को दूल्हे मनीष पुत्र रामफूल निवासी सायपुर पाखर के साथ हंसी-खुशी विदा किया गया। यह वह क्षण था जब आंखें नम थीं और दिल गवाह बना कि 'जहां टूटती उम्मीदें हों, वहां कोई एक कंधा मिल जाए तो घर फिर बस जाते हैं,' और पूरे गांव ने महसूस किया कि 'अंधेरों में दिया वही जलाता है, जिसके भीतर उजाला बचा हो।' इसी दौरान रामचंद्र बैरवा ने कहा कि स्वर्गीय रामनिवास के परिवार से उनका आत्मीय रिश्ता बन चुका है और शेष दो बेटियों की शादी भी वे अपने खर्च से सम्मानपूर्वक कराएंगे, साथ ही क्षेत्र के किसी भी समाज के जरूरतमंद परिवार यदि बेटी के विवाह के खर्च से परेशान हों तो बेझिझक उनसे आकर मिल सकता है जिसके सत्यापन के बाद हरसंभव सहयोग दिया जाएगा। यह पहल केवल दान नहीं, सामाजिक उत्तरदायित्व का जीवंत उदाहरण है, जो बताती है कि संवेदना कानून की मर्यादा में रहकर भी पीड़ित परिवारों को पुनर्वास का रास्ता दे सकती है और बेटी का ब्याह बोझ नहीं, समाज की साझा जिम्मेदारी है; सच ही कहा गया है कि 'हाथ जो थाम ले, वही सबसे बड़ी दौलत है,' और जब नीयत नेक हो तो एक कदम से कई जिंदगियां संवर जाती हैं।

ऋषिकुल स्कूल में स्वास्थ्य जांच शिविर एवं पीटीएम का हुआ आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

स्थानीय ऋषिकुल स्कूल में शनिवार को अभिभावक-शिक्षक बैठक के साथ स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया।

यह जानकारी देते हुए प्राचार्य डॉ रेखा शर्मा ने बताया कि इस अवसर पर विद्यार्थियों के शैक्षणिक प्रदर्शन पर विस्तार से चर्चा की गई तथा उनके स्वास्थ्य की जांच भी की गई। स्वास्थ्य जांच शिविर का संचालन डॉ. गायत्री जांगिड़ द्वारा किया गया। उनके साथ टीम के सदस्य बिंदु अशोक, अज्जुदीन पठान, नंदनी, राखी, विशेष एवं पलक उपस्थित रहे। सभी टीम सदस्यों ने विद्यार्थियों की संपूर्ण स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक सुझाव प्रदान किए।इस अवसर पर विद्यालय परिवार की ओर से डॉक्टर अभिषेक एवं नेहा पारीक को विशेष सहयोग के लिए धन्यवाद व्यक्त किया।

पिरामल फाउंडेशन के तत्वावधान में पचेरी कलां में निकली प्लास्टिक मुक्ति पर्यावरण रैली

भीम प्रज्ञा न्यूज.पचेरी।

पिरामल फाउंडेशन की ओर से फैलो सरोज जांगिड़ के नेतृत्व में ग्राम पंचायत पचेरी कलां में प्लास्टिक मुक्त पर्यावरण रैली का आयोजन किया गया। रैली का शुभारंभ राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय पचेरी कलां के प्रधानाचार्य प्रकाश चंद्र द्वारा किया गया। रैली से पूर्व सरोज जांगिड़ ने कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए बताया कि प्लास्टिक प्रदूषण पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बनता जा रहा है, इसलिए जनजागरूकता आवश्यक है। रैली विद्यालय से प्रारंभ होकर मुख्य बाजार, बस स्टैंड, आयुर्वेदिक औषधालय, मुख्य चौपाल, सीएलएफ (राजीविका) व सीएचसी होते हुए पुनः विद्यालय परिसर में संपन्न हुई। समापन अवसर पर राज्य स्तरीय सम्मानित शिक्षक डॉ. हरद्वारी लाल ने उपस्थित जनों को प्लास्टिक मुक्त पर्यावरण की शपथ दिलाई। उन्होंने प्लास्टिक से होने वाले नुकसान और इसके विकल्प अपनाने के उपायों पर विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान राबाउमावि पचेरी कलां की बालिकाओं द्वारा कार्बिक और इको ब्रिक का निर्माण किया गया। वहीं सीएलएफ अध्यक्ष राजबाला, ममता शर्मा, डिंपल सहित अन्य सदस्यों ने कपड़े के थैले तैयार कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। रैली के दौरान छात्राओं ने 'पर्यावरण बचाओ, प्लास्टिक दूर भगाओ' और 'प्रकृति को बचाना है, प्लास्टिक मुक्त बनाना है' जैसे प्रेरक नारे लगाकर माहौल को जागरूकता से भर दिया।कार्यक्रम में महेंद्र सिंह, पुष्पा चौधरी, सरोज बाला, उर्मिला, निशा यादव सहित अनेक ग्रामीणों ने भाग लेकर प्लास्टिक मुक्त अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया।

शिशु वाटिका आदर्श विद्या मंदिर में पुष्य नक्षत्र पर बच्चों को पिलाया स्वर्ण प्राशन अर्क

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । शिशु वाटिका आदर्श विद्या मंदिर में शनिवार को पुष्य नक्षत्र के शुभ अवसर पर शिशु वाटिका के भैया-बहनों को स्वर्ण प्राशन अर्क पिलाया गया। कार्यक्रम वंदना सभा के पश्चात आयोजित किया गया, जिसमें कुल 116 बच्चों को स्वर्ण प्राशन कराया गया। संस्था प्रधान श्याम सुंदर शर्मा ने बच्चों को स्वर्ण प्राशन कराते हुए इसके लाभों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि स्वर्ण प्राशन से शिशु तेजस्वी, ओजस्वी, मेधावी एवं स्वस्थ बनता है। इससे रोग प्रतिरोधक क्षमता और पाचन शक्ति में वृद्धि होती है। साथ ही स्मरण शक्ति, साहस एवं शौर्य जैसे गुणों का विकास होता है। उन्होंने बताया कि यह जठराग्नि को प्रदीप्त कर मौसमी बीमारियों से बचाव में सहायक माना जाता है तथा त्वचा के वर्ण में भी सुधार लाता है। उन्होंने बताया कि जन्म से लेकर 12 वर्ष तक के बच्चों को स्वर्ण प्राशन कराया जाता है। इस अवसर पर शिशु वाटिका की आचार्या दीदियां कृष्णा शर्मा, गुड्डी सैनी, अन्नपूर्णा स्वामी, संगीता शर्मा, पूजा मीणा सहित अनेक अभिभावक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा एवं उत्साह के साथ संपन्न हुआ।

ऐतिहासिक धुलंडी जुलूस ,एकादशी जुलूस, फागोत्सव तैयारियों को लेकर बैठक 22 को

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । श्री सर्वहिशेषी व्यामशाला के तत्वाधान में बसंत पंचमी आरंभ हुए 40 दिवसीय कार्यक्रमों के तहत आयोजित होने वाले प्रस्तावित कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर समिति की 22 फरवरी को शाम 5 बजे अखाड़ा परिसर में समिति की बैठक आयोजित की जाएगी। संस्था के पीताम्बर मिश्रा, बाल किशन भाटीवाड़ा ने जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में विश्व स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान रखने वाला ऐतिहासिक धुलंडी जुलूस ,एकादशी जुलूस,फागोत्सव तैयारियों को लेकर बैठक 22 फरवरी को नगर के प्रबुद्ध लोगों सहित सर्व हितैषी व्यायाम शाला कार्यकर्ताओं की अखाड़ा परिसर में बैठक आयोजित होगी बैठक में संस्था द्वारा आयोजित होने वाले कार्यक्रमो में एकादशी जुलूस,फागोत्सव व धुलंडी जुलूस को लेकर कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार कर अंतिम रूप दिया जाएगा।

हाथी पर सजी बारात किशोरपुरा में शाही लवाजमे में गाजे-बाजे से पहुंचा दूल्हा लोगो में चर्चा

बीमार मां कमला देवी ने समाज को दिया बेटी बचाओ का प्रेरणा संदेश

कुमावत समाज में प्राचीन परम्परा और संस्कृति की अनूठी झलक

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी

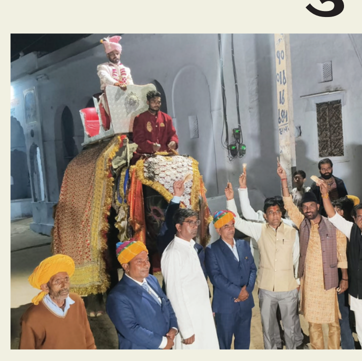

सुमेर मीणा । जो सोच सकते हो वो कर भी सकते हो। ऐसा ही एक सपना एक बीमार माँ ने पूरा कर दिखाया किशोरपुरा गांव की कमला देवी कुमावत के एक पुत्री व दो पुत्र हैं वो शुरू से ही चाहती थी कि मेरी बेटी बेटों से कही कम नहीं रहे उसको जुनून था कि मेरी बेटी की शादी में दूल्हा हाथी पर चढ़ कर तोरण मारे गौरतलब है कि 20 फरवरी को श्रीमाधोपुर के हांसपुर से आई बारात ने किशोरपुरा में खास माहौल बना दिया जब दूल्हा राकेश विवाह स्थल हाथी पर सवार होकर पहुंचा गांव की गलियों में शाही अंदाज से निकाली बारात को देखने के लिए ग्रामीणों की भीड़ उमड़ पड़ी । हाथी-घोड़ी ढोल- नगाड़ों के शाही लवाजमे से निकली बारात ने विवाह समारोह को यादगार बना दिया। दुल्हन काजोल के पिता सुभाष कुमावत माता कमला देवी भाई नवीन कुमावत व सुमित कुमावत की इस अनोखी पहल की ग्रामीणो ने सराहना की हैं। इस शाही लवाजमे की खासी चर्चा है। ग्रामीणों ने कहा कि वर्षों बाद ऐसी शाही बारात देखने को मिली है। जिसने परंपरा और संस्कृति की शानदार झलक पेश की है। शादी समारोह में गांव के वरिष्ठ गणमान्य लोगों के साथ-साथ रिश्तेदार व आस-पास के कई प्रमुख लोग शामिल थे।

नवलगढ़ में गूंजी सनातन एकता और समरसता की स्वर लहरियां (कलश यात्रा में दिखा त्रिवेणी संगम, पूज्य संतों का मिला सानिध्य)

भीम प्रज्ञा न्यूज.नवलगढ़।

कमल किशोर पंवार । विराट हिंदू सम्मेलन के तत्वावधान में आयोजित भव्य कलश यात्रा ने रविवार को नगर में सनातन एकता और सामाजिक समरसता का संदेश गूंजा दिया। यात्रा का शुभारंभ नगर के तीन प्रमुख स्थलों–गणेश मंदिर, महर्षि मंगलदत्त स्थल और गायत्री शक्तिपीठ–से हुआ। गंगा, यमुना और सरस्वती के प्रतीक रूप में तीन धाराओं के रूप में सुसज्जित हजारों मातृशक्ति कलश धारण कर नगर के मुख्य मार्गों से शोभायात्रा के रूप में सूर्यमंडल मैदान पहुंचीं। मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर अभिनंदन किया। सभा स्थल पर पूज्य संतों के आगमन पर उपस्थित जनसमूह ने खड़े होकर पुष्पवर्षा से स्वागत किया। संतों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। सम्मेलन में 'सनातन गौरव–राष्ट्र गौरव' की भावना के साथ 60 से अधिक विशिष्ट व्यक्तियों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने गौ रक्षा, पर्यावरण संरक्षण, कुटुंब प्रबोधन, पारंपरिक चंग एवं मिट्टी के बर्तन निर्माण, संयुक्त परिवार परंपरा के निर्वहन तथा स्वच्छता अभियान में उल्लेखनीय योगदान दिया है। आयोजन समिति ने सभी संतों का साफा, शाल और पुष्पहार पहनाकर अभिनंदन किया। कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय भजन सम्राट प्रकाश माली ने गणेश वंदना से प्रस्तुति की शुरुआत की और एक घंटे से अधिक समय तक देशभक्ति गीतों व भजनों से श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। विभाग प्रचारक मुकेश कुमार ने कुटुंब प्रबोधन, सामाजिक समरसता, हिंदू जागृति एवं हिंदू पोषण जैसे विषयों पर विचार रखते हुए राष्ट्र निर्माण में संगठन की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने विश्व गुरु बनने की दिशा में समाज के कर्तव्यों और आवश्यक प्रयासों पर विस्तृत चर्चा की।

साध्वी डॉ. योग श्रीनाथ, संत अवधेशाचार्य एवं बुधगिरी मढ़ी से महंत दिनेश गिरी ने राष्ट्रीय निर्माण में महिलाओं की भूमिका, हिंदू धर्म के महत्व और सामाजिक एकता पर प्रेरक उद्बोधन दिया। वहीं मुकुंदगढ़ से संत शैलेंद्र नाथ, बऊधाम से संत ओमनाथ, चेतननाथ महाराज और योगी मोहन नाथ महाराज का भी पावन सानिध्य प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं भव्या और तृषा गुर्जर ने शक्ति स्वरूप में लाठी एवं तलवार संचालन का प्रदर्शन कर उपस्थित हजारों श्रद्धालुओं को रोमांचित कर दिया। कलश यात्रा में शामिल सौभाग्यशाली महिलाओं को 'भाग्यश्री' उपहार संतों के कर-कमलों से प्रदान किए गए। वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विशेष प्रस्तुति दी गई, जिसने पूरे वातावरण को राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत कर दिया। मंच संचालन लोकप्रिय हास्य कवि हरीश हिंदुस्तानी ने अपनी ओजपूर्ण कविताओं और सरस शैली से किया, जिससे कार्यक्रम का उत्साह कई गुना बढ़ गया। इस अवसर पर नवलगढ़ नगर के हजारों श्रद्धालु, मातृशक्ति एवं कार्यकर्ताओं ने सहभागिता कर सनातन एकता और सामाजिक समरसता का संकल्प दोहराया।

कांग्रेस एससी विभाग ने मंडावर की कमान सौंपी, रामचंद्र बैरवा बने ब्लॉक अध्यक्ष

पूर्व विधायक ओमप्रकाश हुडला की अभिशंसा पर नियुक्ति, बूथ स्तर तक मजबूती का स्पष्ट संकेत

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा।

मनोज खंडेलवाल । राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अनुसूचित जाति विभाग की प्रदेशाध्यक्ष एवं राजस्थान सरकार की पूर्व मंत्री ममता भूपेश बैरवा ने दौसा जिला कांग्रेस कमेटी एससी विभाग की जिला कार्यकारिणी घोषित करते हुए पूर्व महवा विधायक ओमप्रकाश हुडला की अभिशंसा पर महवा विधानसभा क्षेत्र के मंडावर से राजपुर महवा निवासी रामचंद्र बैरवा को मंडावर ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त किया है। संगठनात्मक समीक्षा के बाद की गई इस नियुक्ति में रामचंद्र बैरवा की वर्षों से चली आ रही पार्टी सेवा, सामाजिक सरोकारों में सक्रिय भागीदारी और क्षेत्र में मजबूत जमीनी पकड़ को निर्णायक आधार बनाया गया है, ताकि मंडावर ब्लॉक में संगठन को बूथ स्तर तक सुदृढ़ किया जा सके और अनुसूचित समाज से जुड़े मुद्दों को प्रभावी मंच मिल सके। प्रदेश नेतृत्व ने नव नियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष को पार्टी हित में निष्ठा के साथ काम करने, कार्यकर्ताओं को जोड़कर संगठन का विस्तार करने, आमजन की समस्याओं को प्राथमिकता से उठाने और संगठनात्मक अनुशासन के साथ अभियानात्मक ढंग से मैदान में उतरने के स्पष्ट निर्देश दिए हैं। नियुक्ति पर रामचंद्र बैरवा ने कहा कि पार्टी और वरिष्ठ नेतृत्व ने उन पर जो भरोसा जताया है, उस पर वे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ खरा उतरेंगे तथा कार्यकर्ताओं को साथ लेकर संगठन को मजबूत करेंगे और जनता की आवाज को मजबूती से आगे बढ़ाएंगे। आदेश जारी होने के बाद मंडावर और आसपास के इलाकों में बधाइयों का सिलसिला लगातार चलता रहा, गुरुवार को समाज के लोगों और पार्टी कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में पहुंचकर साफा व माला पहनाकर उनका भव्य स्वागत किया और शुभकामनाएं दीं, जिस पर रामचंद्र बैरवा ने सभी का आभार जताया, जिससे क्षेत्र में संगठनात्मक सक्रियता और नई ऊर्जा का माहौल बनता नजर आया।

सिलिकोसिस ने छीना सहारा, समाजसेवा ने दिया सम्मान, समाजसेवी ने कराई गरीब बेटी की धूमधाम से शादी

समाजसेवी रामचंद्र बैरवा बने संबल, उजड़े घर में लौटाई खुशियों की रौनक

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । मंडावर उपखंड के गांव पाखर चौड़ाकी में उस वक्त इंसानियत ने अपने सबसे उजले रंग दिखाए, जब सिलिकोसिस जैसी घातक बीमारी से जूझते हुए दिवंगत रामनिवास बैरवा के उजड़े परिवार की सबसे बड़ी बेटी पिंकी बैरवा का विवाह पूरे मान-सम्मान और रीति-रिवाज से संपन्न कराया गया और इस पूरे दायित्व को कांग्रेस एससी प्रकोष्ठ मंडावर के ब्लॉंक अध्यक्ष व प्रमुख समाजसेवी रामचंद्र बैरवा ने अपने कंधों पर उठाकर यह संदेश दे दिया कि जब व्यवस्था की दीवारें ऊंची हो जाएं, तब समाज का दिल दरवाजा बनकर खुलता है। अपनी गंभीर बीमारी के दिनों में रामनिवास बैरवा ने कहीं से रामचंद्र बैरवा का संपर्क नंबर पाकर अपनी दवाइयों और ऑक्सीजन सिलेंडर के लिए उनसे मदद मांगी थी, तब बिना किसी सोच विचार के समाजसेवी ने ऑनलाइन राशि भेजकर जीवन रक्षक सहायता की, पर नियति की मार के आगे जीवन हार गया तथा रामनिवास बैरवा की मृत्यु हो गई और उसके परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। मृतक की विधवा पत्नी, तीन जवान बेटियां और वृद्ध माता-पिता असहाय रह गए। तीन माह पहले जब मृतक के पीड़ित परिवार ने समाजसेवी रामचंद्र बैरवा को स्वंय के घर बुलाकर बड़ी बेटी पिंकी के रिश्ते और शादी की तय तारीख की जानकारी दी और शादी में सहयोग की गुहार लगाई, तब गरीबी की सच्चाई सामने देखकर उनका मन पसीज गया और उन्होंने विवाह का समस्त खर्च स्वयं उठाने का संकल्प लिया। इसके बाद समाजसेवी रामचंद्र बैरवा की टीम ने गरीब परिवार की बेटी की शादी की तैयारियों से लेकर रस्मों तक की पूरी जिम्मेदारी संभाली, आवश्यक सामग्री जुटाई, मेहमानों की व्यवस्था की और गांव की मर्यादा के अनुरूप विवाह संस्कार को सम्मानजनक रूप दिया। विवाह के दिन समाजसेवी रामचंद्र बैरवा और उनकी टीम परिवार के साथ खड़ी रही, बारात का आदरपूर्वक स्वागत हुआ और बेटी पिंकी को दूल्हे मनीष पुत्र रामफूल निवासी सायपुर पाखर के साथ हंसी-खुशी विदा किया गया। यह वह क्षण था जब आंखें नम थीं और दिल गवाह बना कि 'जहां टूटती उम्मीदें हों, वहां कोई एक कंधा मिल जाए तो घर फिर बस जाते हैं,' और पूरे गांव ने महसूस किया कि 'अंधेरों में दिया वही जलाता है, जिसके भीतर उजाला बचा हो।' इसी दौरान रामचंद्र बैरवा ने कहा कि स्वर्गीय रामनिवास के परिवार से उनका आत्मीय रिश्ता बन चुका है और शेष दो बेटियों की शादी भी वे अपने खर्च से सम्मानपूर्वक कराएंगे, साथ ही क्षेत्र के किसी भी समाज के जरूरतमंद परिवार यदि बेटी के विवाह के खर्च से परेशान हों तो बेझिझक उनसे आकर मिल सकता है जिसके सत्यापन के बाद हरसंभव सहयोग दिया जाएगा। यह पहल केवल दान नहीं, सामाजिक उत्तरदायित्व का जीवंत उदाहरण है, जो बताती है कि संवेदना कानून की मर्यादा में रहकर भी पीड़ित परिवारों को पुनर्वास का रास्ता दे सकती है और बेटी का ब्याह बोझ नहीं, समाज की साझा जिम्मेदारी है; सच ही कहा गया है कि 'हाथ जो थाम ले, वही सबसे बड़ी दौलत है,' और जब नीयत नेक हो तो एक कदम से कई जिंदगियां संवर जाती हैं।

ग्यारह सूत्रीय हक़ की हुंकार, महुवा से जयपुर कूच–माली-सैनी समाज की जनयात्रा निर्णायक दौर में

25 फरवरी को विधानसभा घेराव का ऐलान, सैनी धर्मशाला से रवाना कारवां का जगह-जगह पुष्पवर्षा से स्वागत।

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा।

मनोज खंडेलवाल । उपखंड मुख्यालय के भरतपुर रोड स्थित सैनी समाज धर्मशाला में रात्रि विश्राम के बाद शनिवार सुबह ठीक दस बजे माली-सैनी कुशवाहा समाज की जनयात्रा जयपुर की ओर रवाना हुई और अपने साथ वर्षों से लंबित 11 सूत्रीय मांगों की गूंज लेकर कस्बे के भीतर से गुजरते हुए निर्णायक संघर्ष की दिशा में आगे बढ़ गई। समाज के हक़, पहचान और आजीविका से जुड़े मुद्दों को सरकार तक मजबूती से पहुंचाने के संकल्प के साथ निकली इस जनयात्रा में हजारों महिला-पुरुष, युवा और बुजुर्ग एकजुट दिखे, रास्ते भर ग्रामीण अंचलों में समाजजनों ने जेसीबी से पुष्पवर्षा कर कारवां का स्वागत किया और जनसमर्थन की ताकत को सार्वजनिक मंच पर उतारा। यात्रा का रात्रि विश्राम मानपुर में निर्धारित है, जहां आगे की रणनीति पर समन्वय होगा और 25 फरवरी को जयपुर में विधानसभा घेराव की तैयारी को अंतिम रूप दिया जाएगा। जनयात्रा के साथ समाज में यह संदेश साफ उभरा कि खेती-बाड़ी पर निर्भर इस वर्ग की न्यायोचित मांगें वर्षों से लंबित हैं और नीतिगत स्तर पर ठोस निर्णय के अभाव ने असंतोष को आंदोलन का रूप दे दिया है। पदाधिकारियों ने कहा कि यह पहल केवल प्रतीकात्मक प्रदर्शन नहीं, बल्कि संवैधानिक अधिकारों और सामाजिक न्याय के दायरे में संगठित दबाव का प्रयास है, ताकि सरकार समयबद्ध निर्णय लेकर समाज की आर्थिक-सामाजिक स्थिति को सुदृढ़ करे। रास्ते भर अनुशासन बनाए रखने के लिए स्वयंसेवक तैनात रहे और महिलाओं व युवाओं की सक्रिय भागीदारी ने आंदोलन को व्यापक जनाधार दिया।

फुले ब्रिगेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रप्रकाश सैनी के नेतृत्व में बढ़ते कारवां ने साफ किया कि यदि समय रहते सकारात्मक पहल नहीं हुई तो 25 फरवरी का विधानसभा घेराव ऐतिहासिक जनआंदोलन का स्वरूप लेगा, वहीं आंदोलन को शांतिपूर्ण और अनुशासित रखने की अपील भी दोहराई गई। पूर्व विधायक डॉ. ओमप्रकाश हुडला ने जनयात्रा में शामिल होकर समर्थन जताया और समाज की मांगों को लोकतांत्रिक तरीके से उठाने की पहल को जनहित से जोड़ा। यात्रा में चंद्रप्रकाश सैनी, रूपसिंह सैनी, बबलू सैनी, महावीर सैनी, राजाराम सैनी, तरुण सैनी, नेमीचंद सैनी, दुलीचंद सैनी, जयलाल सैनी, सत्यनारायण लाला सैनी, टीकम सैनी, महेश सैनी, भगवान सिंह सैनी, वेद प्रकाश एडवोकेट, जयसिंह सरपंच बलमगढ़, राधेश्याम सैनी वीडीओ, करण सैनी सहित अनेक सामाजिक प्रतिनिधियों की मौजूदगी रही और सैनी-कुशवाहा समाज के हजारों लोग पूरे जोश के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढे।

अग्रवाल महिला सम्मेलन की अगुवाई में मण्डावर में आयोजित होगा फागोत्सव 2026

पंचायती धर्मशाला में भजनों की गूंज और फूलों की होली से सजेगा फाल्गुन

भीम प्रज्ञा न्यूज.मण्डावर।

मनोज खंडेलवाल । अग्रवाल महिला सम्मेलन मण्डावर के तत्वावधान में फाल्गुन की उमंग और भक्तिरस से सराबोर फागोत्सव 2026 का आयोजन रविवार 22 फरवरी को पंचायती धर्मशाला मण्डावर में दोपहर एक बजे से सायं पांच बजे तक किया जाएगा, जहां परंपरा, श्रद्धा और सामाजिक समरसता का सजीव संगम देखने को मिलेगा। अग्रवाल सम्मेलन के प्रवक्ता मुकेश कुमार सिंदूकी एवं अग्रवाल महिला सम्मेलन की अध्यक्ष सुनीता सिंघल ने संयुक्त रूप से बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना से होगा, जिसके बाद भजन संध्या में होली के रसिया भजनों की मधुर तान पर श्रद्धालु भाव-विभोर होकर झूमेंगे और फूलों की होली खेलकर फाल्गुन के रंगों में सराबोर होंगे। आयोजकों के अनुसार यह आयोजन समाज की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, महिला सहभागिता को सशक्त मंच देने और सामूहिक आयोजनों के माध्यम से सामाजिक सौहार्द को मजबूत करने की भावना के साथ किया जा रहा है, ताकि परंपराएं केवल स्मृतियों तक सीमित न रहकर नई पीढ़ी तक जीवंत रूप में पहुंचें। कार्यक्रम के समापन पर प्रसाद वितरण किया जाएगा और समाज की महिलाएं बड़ी संख्या में सहभागिता कर आयोजन को गरिमा प्रदान करेंगी।

इलाज कराने आई युवती से अभद्रता का आरोप,अस्पताल में मचा हड़कंप–महिलाओं की सुरक्षा और गोपनीयता पर गंभीर सवाल

जांच कक्ष में टूटी मर्यादा, संविदाकर्मी पर लगे आरोप, चार सदस्यीय जांच समिति गठित

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । मंडावर शहर के राजकीय अस्पताल में शुक्रवार सुबह इलाज कराने पहुंची एक युवती के साथ अभद्रता का मामला सामने आने से स्वास्थ्य तंत्र की संवेदनशीलता और अस्पताल परिसरों में महिलाओं की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न लग गए हैं। पीड़ित युवती सिरदर्द और घबराहट की शिकायत लेकर भाभी के साथ अस्पताल पहुंची थी, जहां चिकित्सक डॉ. प्रीतम मीणा ने ईसीजी जांच लिखी। जनरल वार्ड में स्थित ईसीजी कक्ष में जांच के दौरान संविदा पर कार्यरत वार्ड हेल्पर के द्वारा बार-बार आकर गलत नजर रखने और आपत्तिजनक इशारे करने के आरोप पीड़ित युवती ने लगाये। पीडीत युवती के विरोध के बाद उसके द्वारा परिजनों को दी गई सूचना मिलते ही पीड़िता का बड़ा भाई राजकीय अस्पताल मंडावर पहुंचा, तथा सारी घटना की जानकारी के बाद उसने प्रभारी नरसीराम मीणा को लिखित व नामजद शिकायत सौंपते हुए दोषी के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है। शिकायत के बाद आरोपी के मौके से फरार होने की भी सूचना है, जिससे अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी और तनाव की स्थिति बन गई। घटना ने यह सवाल और गहरा कर दिया कि महिलाओं की जांच के दौरान गोपनीयता और सम्मान की संवैधानिक भावना का पालन आखिर कब सुनिश्चित होगा। स्थानीय लोगों का कहना है कि जांच कक्षों में महिला मरीजों की उपस्थिति के दौरान महिला कार्मिकों की मौजूदगी अनिवार्य रूप से सुनिश्चित होनी चाहिए, जबकि व्यवहार में कई बार पुरुष स्टाफ की निर्बाध आवाजाही से महिला मरीज असहजता और असुरक्षा महसूस करती हैं। यह लापरवाही न केवल सेवा नियमों की भावना के विपरीत है बल्कि महिला मरीज की गरिमा और निजता के अधिकार का उल्लंघन भी है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए अस्पताल प्रभारी नरसीराम मीणा ने आरोपी संविदा कार्मिक को कारण बताओ नोटिस जारी किया है और प्रकरण की निष्पक्ष जांच के लिए चार सदस्यीय समिति गठित की गई है, जिसमें डॉ. प्रीतम चंद मीणा, नर्सिंग ऑफिसर रामस्वरूप सैनी, नर्सिंग ऑफिसर अनिता लखेरा और एनएम पिंकी मीणा शामिल हैं। समिति को तीन दिवस में रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए हैं, जिसके आधार पर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। इधर पूर्व विधायक ओमप्रकाश हुडला ने सोशल मीडिया के जरिए मामले पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए चिकित्सा मंत्री से तत्काल कठोर कार्रवाई की मांग की है और कार्रवाई में ढिलाई होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है। स्वास्थ्य तंत्र से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों तक मामला पहुंचने के बाद जिला स्तर पर भी जवाबदेही तय करने की प्रक्रिया शुरू होने के संकेत मिले हैं। यह घटना न केवल एक व्यक्ति के कथित आचरण का प्रश्न है, बल्कि अस्पतालों में कार्यसंस्कृति, महिला सुरक्षा प्रोटोकॉल और निगरानी तंत्र की वास्तविक स्थिति पर राष्ट्रीय स्तर की चिंता का विषय बनकर उभरी है।

इनका कहना है??

शुक्रवार शाम को घटना की सूचना मिलते ही चिकित्सा प्रभारी से बात की गई है। पीड़िता के परिजनों की शिकायत पर जांच समिति गठित कर नोटिस जारी किया गया है। रिपोर्ट आते ही नियमसम्मत कार्रवाई होगी।

डॉ. रोहित शर्मा, ब्लॉक सीएमएचओ, महवा

मामला मेरे संज्ञान में आया है। मंडावर चिकित्सा प्रभारी को नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

सीताराम मीणा, सीएमएचओ, दौसा

जनसेवा का मूल मंत्र है संवाद और समाधान: राज्य सभा सुभाष बराला

नागरिकों से मुलाकात कर राज्यसभा सांसद ने सुनी जन समस्याएं

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने शनिवार को अपने आवास पर क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों एवं पार्टी कार्यकर्ताओं से मिलकर विचार-विमर्श किया एवं जन समस्याओं का निवारण किया। उन्होंने सभी नागरिकों की बात ध्यान से सुनी और उनके आव्हानों का समाधान सुनिश्चित करने हेतु तत्क्षण संबंधित विभागों के अधिकारियों को स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए। राज्यसभा सांसद सुभाष ने कहा कि जनता से सीधा संवाद ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है। सांसद ने कहा कि केंद्र सरकार नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तथा राज्य सरकार नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन में देश विकास और प्रगति का अद्वितीय युग देख रहा है, और इस यात्रा में हर नागरिक की भागीदारी अनिवार्य है। केंद्र सरकार द्वारा देशभर में बुनियादी सुविधाओं को सशक्त किया जा रहा है, वहीं मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशों के अनुपालन में हर जिले में विकास की गति अब और भी तेज हुई है। विकसित भारत का हमारा दृष्टिकोण केवल बुनियादी ढांचे के विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि यह नागरिकों को सशक्त बनाने, शासन में पारदर्शिता लाने और हर वर्ग को मुख्यधारा से जोड़ने की सरकार की प्राथमिकता को भी दर्शाता है। पूरा देश 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र के साथ आगे बढ़ रहा है।

इस अवसर पर सांसद ने कहा कि जनसमस्याओं का त्वरित समाधान ही जनप्रतिनिधि की वास्तविक जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्राप्त शिकायतों पर समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा प्रत्येक प्रकरण की निगरानी व्यक्तिगत स्तर पर की जाएगी, ताकि किसी भी नागरिक को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

श्री धनपत सिंह सांगी स्मृति पुरस्कार के उपलक्ष्य में कुरुक्षेत्र में 23 से 27 फरवरी तक होगा सांग महोत्सव का आयोजन

कलाकृति भवन, हरियाणा कला परिषद, नजदीक ब्रह्मसरोवर, कुरुक्षेत्र में आयोजित किया जाएगा महोत्सव

सूचना, लोक संपर्क एवं भाषा विभाग हरियाणा द्वारा किया जा रहा है महोत्सव का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा, । सूचना, लोक संपर्क एवं भाषा विभाग हरियाणा द्वारा श्री धनपत सिंह सांगी स्मृति पुरस्कार के उपलक्ष्य में 23 से 27 फरवरी, 2026 तक भव्य सांग महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम प्रतिदिन सुबह 11 बजे से कलाकृति भवन, हरियाणा कला परिषद, नजदीक ब्रह्मसरोवर, कुरुक्षेत्र में आयोजित किया जाएगा। जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी दिनेश कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि सांग महोत्सव में हरियाणा की समृद्ध लोकनाट्य परंपरा सांग की प्रस्तुतियां प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए कलाकारों द्वारा दी जाएंगी। पांच दिवसीय इस सांस्कृतिक आयोजन में कुल 24 सांग प्रस्तुत किए जाएंगे, जिनमें ऐतिहासिक, पौराणिक एवं लोक कथाओं पर आधारित कथानक शामिल हैं। डीआईपीआरओ दिनेश कुमार ने बताया कि 23 फरवरी को 'वीर विक्रमजीत', 'हीर-रांझा', 'राजा नल दमयंती' और 'पिंगला भरथरी' जैसे सांग मंचित होंगे। 24 फरवरी को 'हीरामल जमाल', 'जानी चोर', 'बणबेटी', 'गोपी चंद' और 'चंद्रमा मदनपाल' की प्रस्तुतियां होंगी। 25 फरवरी को 'लीलो चमन', 'बणबेटी', 'पिंगला भरथरी', 'शाही लकड़हारा' और 'दु:खभंजन' जैसे सांग दर्शकों को आकर्षित करेंगे। 26 फरवरी को 'बणबेटी', 'राजा नल दमयंती', 'हीरा मल जमाल', 'गोपी चंद' और 'सेठ ताराचंद' का मंचन किया जाएगा। समापन दिवस पर 27 फरवरी को 'धर्म की जीत', 'बणबेटी', 'राजा उत्तानपाद ध्रुव का जन्म' और 'विराट पर्व' जैसे सांग प्रस्तुत किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इस महोत्सव का उद्देश्य हरियाणा की लोक सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित एवं प्रोत्साहित करना है, साथ ही नई पीढ़ी को सांग कला से जोड़ना है। उन्होंने नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कलाकारों का उत्साहवर्धन करने की अपील की है।

डॉ. भीमराव अम्बेडकर लाइब्रेरी का भव्य शिलान्यास 22 फरवरी को

भीम प्रज्ञा न्यूज.चनाना।

ग्राम चनाना में शिक्षा और सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत डॉ. भीमराव अम्बेडकर लाइब्रेरी का भव्य शिलान्यास 22 फरवरी 2026, रविवार को प्रातः 10:15 बजे किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन अम्बेडकर पार्क के सामने निर्धारित स्थल पर किया जाएगा। शिलान्यास समारोह का आयोजन डॉ. भीमराव अम्बेडकर समिति एवं समस्त ग्रामवासियों के संयुक्त तत्वावधान में होगा। आयोजन समिति के अनुसार, प्रस्तावित लाइब्रेरी में विद्यार्थियों और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं के लिए अध्ययन की समुचित व्यवस्था की जाएगी। यह पुस्तकालय ज्ञानार्जन के साथ-साथ सामाजिक समरसता और जागरूकता का केंद्र बनेगा।समिति ने क्षेत्र के सभी गणमान्य नागरिकों, युवाओं, विद्यार्थियों एवं ग्रामवासियों से शिलान्यास समारोह में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

टी20 विश्व कप: भारत-साउथ अफ्रीका सुपर-8 में महामुकाबले को तैयार, अहमदाबाद का नरेंद्र मोदी स्टेडियम बनेगा गवाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया का सबसे बड़ा क्रिकेट मैदान नरेंद्र मोदी स्टेडियम एक बार फिर इतिहास रचने को तैयार है। टी20 वर्ल्ड कप सुपर-8 के बहुप्रतीक्षित मुकाबले में रविवार, 22 फरवरी को भारत और साउथ अफ्रीका की टीमें आमने-सामने होंगी। यह मैच केवल ग्रुप स्टेज की जंग नहीं, बल्कि 2024 के फाइनल की यादें ताजा करने वाली भिड़ंत भी है। भारतीय टीम की कप्तानी सूर्यकुमार यादव कर रहे हैं, जबकि साउथ अफ्रीका की कमान एडन मारक्रम के हाथों में है। दोनों टीमें सुपर-8 में अजेय लय के साथ प्रवेश कर चुकी हैं। भारत और दक्षिण अफ्रीका ने अपने-अपने ग्रुप में चारों मैच जीतकर दबदबा बनाया। अहमदाबाद की पिच पर दोनों टीमों का अनुभव भी समान है साउथ अफ्रीका ने अपने ग्रुप-डी के तीन मुकाबले यहीं खेले, जबकि भारत ने नीदरलैंड को इसी पिच पर हराकर शीर्ष स्थान हासिल किया। ऐसे में यह मुकाबला परिस्थिति और माहौल से भलीभांति परिचित दो मजबूत टीमों के बीच कड़े संघर्ष का संकेत देता है।

टी20 वर्ल्ड कप इतिहास में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच हुए मुकाबले हमेशा रोमांच से भरपूर रहे हैं। अब तक खेले गए सात मैचों में भारत ने पांच बार जीत दर्ज की है, जबकि दक्षिण अफ्रीका केवल दो मैचों में सफल रहा है। 2010 में सेंट लूसिया में भारत का सर्वोच्च स्कोर 186/5 रहा, वहीं 2007 में डरबन में दक्षिण अफ्रीका 116/9 के अपने न्यूनतम स्कोर पर ढेर हुआ था। व्यक्तिगत प्रदर्शनों की बात करें तो उस सुरेश रैना ने इन मुकाबलों में सर्वाधिक 170 रन बनाए थे, जबकि डेविड मिलर औसत के मामले में शीर्ष पर हैं। गेंदबाजी में भारत के लिए आरपी सिह और रविचंद्रन अश्विन पांच-पांच विकेट लेकर संयुक्त रूप से सबसे सफल रहे हैं।

रणनीति की बात करें तो अहमदाबाद की पिच अक्सर स्पिन गेंदबाजों की मददगार साबित होती है। भारत के पास कुलदीप यादव और अक्षर पटेल जैसी दमदार स्पिन जोड़ी मौजूद है, जबकि दक्षिण अफ्रीका को मार्करम और केशव महाराज से काफी उम्मीदें होंगी।

आमिर की हालिया भविष्यवाणी के बाद भारतीय टीम पर खुद को साबित करने का दबाव भी बढ़ गया है। अभिषेक शर्मा की खराब फॉर्म चिंता का विषय है, लेकिन बड़ा मंच खिलाड़ियों को लय में लौटने का अवसर भी देता है। दक्षिण अफ्रीका के सामने 2024 की कड़वी हार की यादें भी हैं, जब ब्रिजटाउन में भारत ने सात रन से जीत दर्ज की थी। इस बार दोनों टीमें सेमीफाइनल की ओर मजबूत कदम बढ़ाने के इरादे से मैदान पर उतरेंगी और क्रिकेट जगत की निगाहें अहमदाबाद में होने वाली इस ऐतिहासिक जंग पर टिकी होंगी।

टीम इस प्रकार है

भारतः सूर्यकुमार यादव (कप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, रिंकू सिंह, वाशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, संजू सैमसन, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल।

दक्षिण अफ्रीका : एडेन मार्कराम (कप्तान), क्विंटन डीकॉक (विकेटकीपर), रयान रिकेलटन, डेवाल्ड ब्रेविस, ट्रिस्टन स्टब्स, डेविड मिलर, मार्को यानसन, कैगिसो रबाडा, एनरिक नॉर्खिया, क्वेना मफाका, केशव महाराज, लुंगी एनगिडी, जॉर्ज लिंडे, जेसन स्मिथ, कॉर्बिन बॉश।

मुंबई और अहमदाबाद की चुनौतीपूर्ण पिचों पर मोर्ने मोर्कल ने जताई क्यूरेटरों के प्रति सहानुभूति

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के वानखेड़े और अहमदाबाद के मोटेरा स्टेडियम में बल्लेबाजी के लिए कठिन मानी जा रही पिचें क्रिकेट जगत में चर्चा का विषय बनी हुई हैं। इन सतहों पर भारतीय बल्लेबाजों को रनगति बढ़ाने में संघर्ष करना पड़ा है। एक पिच पर नमी अधिक रही, जबकि दूसरी पर गेंद रुककर आ रही थी, जिससे बल्लेबाजों के लिए शॉट खेलना आसान नहीं था। इसके बावजूद भारत के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने पिच तैयार करने वाले क्यूरेटरों के प्रति सहानुभूति जताते हुए कहा कि उन्होंने उपलब्ध परिस्थितियों के हिसाब से सर्वोत्तम प्रयास किया है।

मोर्कल के अनुसार, सत्र के अंतिम चरण में 200 से अधिक रन वाली पिच तैयार करना आसान नहीं होता और क्यूरेटर इस चुनौती को काफी दबाव में रहकर निभाते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थितियों में उन्हें पूरा श्रेय मिलना चाहिए। इन पिचों पर आक्रामक बल्लेबाजी के लिए मशहूर भारतीय बल्लेबाजों को शुरुआती मैचों में लय हासिल करने में मुश्किल हुई। तिलक वर्मा जहां तेज शुरुआत नहीं कर सके, वहीं सूर्यकुमार यादव को भी अपने शॉट खेलने से पहले सावधानी बरतनी पड़ी।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सुपर-8 मुकाबले से पहले मोर्कल ने माना कि दर्शकों की उम्मीदें बड़ी होती हैं और वे ऊंचे स्कोर वाले रोमांचक मैच देखना चाहते हैं। ऐसे में क्यूरेटरों पर बेहतर पिच देने का अतिरिक्त दबाव रहता है। उन्होंने कहा कि पिच के व्यवहार का सही आकलन करना हमेशा चुनौतीपूर्ण काम रहा है। भले ही टीम नमी, सूखापन और गेंद की गति का अनुमान लगाने की कोशिश करती है, लेकिन सटीक भविष्यवाणी कम ही हो पाती है। इसलिए ऐसे खिलाड़ियों की मौजूदगी अहम होती है, जो बदलती परिस्थितियों को जल्दी समझकर अपना खेल ढाल सकें।

घरेलू सत्र में पिचों के अधिक उपयोग से उनके व्यवहार में बदलाव आने के सवाल पर मोर्कल ने स्पष्ट रूप से कुछ नहीं कहा, लेकिन यह जरूर माना कि भारत ने टूर्नामेंट में परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में अच्छी लय पकड़ी है। पहले मैच को छोड़ दें तो बाकी मुकाबलों ने टीम को सीखने का अवसर दिया। उन्होंने कहा कि शुरुआती मैच की पिच 200 रन वाली नहीं थी, बल्कि लगभग 170 रन की सतह थी, और टीम ने शुरुआत में जरूरत से ज्यादा आक्रामक रुख अपनाया। मोर्कल के अनुसार, हर मैच सीख देता है और यही क्रिकेट की खूबसूरती है।

अहमदाबाद : सुपर 8 से पहले मोहम्मद सिराज की चोट ने बढ़ाई भारत की चिंता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम अहमदाबाद में टी20 वर्ल्ड कप के सुपर 8 मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तैयारी कर रही है। यह मैच 2024 के फाइनल का रीमैच माना जा रहा है और जीतने वाली टीम सेमीफाइनल की ओर महत्वपूर्ण कदम बढ़ाएगी। हालांकि, मुकाबले से ठीक पहले टीम को बड़ी चोट की समस्या ने परेशान कर दिया है। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत को पहले ही खिलाड़ियों की बीमारी और चोटों का सामना करना पड़ा है। जसप्रीत बुमराह और अभिषेक शर्मा पहले कुछ मैचों में नहीं खेल पाए थे, जबकि वॉशिंगटन सुंदर भी बीमार पड़ गए थे। सुपर 8 में शामिल होने से ठीक पहले हर्षित राणा चोट के कारण बाहर हो गए, जिससे मोहम्मद सिराज को देर से टीम में शामिल किया गया।

सिराज ने ग्रुप स्टेज में अमेरिका के खिलाफ भारत के पहले मैच में तीन विकेट लिए। लेकिन शुक्रवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में अभ्यास के दौरान सिराज को हार्दिक पंड्या के शॉट से बाएं पैर के घुटने में जोरदार चोट लगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, चोट लगते ही सिराज दर्द से कराह उठे और नेट्स से लंगड़ाते हुए बाहर आए। अब तक सिराज ने केवल अमेरिका के खिलाफ मैच खेला है, और बाकी मैचों में जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह को तरजीह दी गई है।

टीम के गेंदबाजी कोच मोर्कल ने रविवार को सुपर 8 मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्टार स्पिनर वरुण पर भी भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि वरुण निश्चित तौर पर टीम के स्ट्राइक बॉलर हैं और उनकी सफलता साथी गेंदबाजों, खासकर बुमराह के समर्थन पर निर्भर करती है। मोर्कल ने कहा, 'वरुण ने वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन किया है और बुमराह तथा अन्य गेंदबाजों के साथ मिलकर विकेट लेने में अहम भूमिका निभाएंगे।' इस बीच, सिराज की चोट भारतीय टीम के लिए चिंता का विषय बनी हुई है, खासकर दक्षिण अफ्रीका जैसे मजबूत प्रतिद्वंदी के खिलाफ निर्णायक मुकाबले से पहले। टीम प्रबंधन अब उनकी फिटनेस पर नजर रखे हुए है और अंतिम प्लेइंग इलेवन में बदलाव की संभावना बनी हुई है।

टी20 विश्व कप: सुपर-8 में इंग्लैंड और श्रीलंका की अहम भिड़ंत, पल्लेकेले में इंग्लैंड बदलेगा लय

पल्लेकेले (एजेंसी)। टी20 विश्व कप 2026 के सुपर-8 चरण में आज पल्लेकेले में इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच रोमांचक मुकाबला खेला जाएगा। इंग्लैंड भले ही सुपर-8 में प्रवेश कर चुका हो, लेकिन उसका प्रदर्शन अब तक उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा है। टीम को एसोसिएट देशों के खिलाफ जीत के लिए संघर्ष करना पड़ा, जबकि पूर्व चैंपियन वेस्टइंडीज से उसे हार झेलनी पड़ी थी। ऐसे में इंग्लैंड इस मैच के जरिए अपनी लय वापस हासिल करना चाहेगा। दिलचस्प बात यह है कि टूर्नामेंट से पहले आयोजित तीन मैचों की टी20 सीरीज में इंग्लैंड ने श्रीलंका का 3-0 से क्लीन स्वीप किया था, जिससे टीम को एकबार फिर प्रेरणा मिल सकती है। दूसरी ओर, सह-मेजबान श्रीलंका ने टूर्नामेंट की शानदार शुरुआत की थी। आयरलैंड और ओमान को हराने के बाद टीम ने ऑस्ट्रेलिया को आठ विकेट से मात देकर अपने इरादे साफ कर दिए थे। हालांकि, अंतिम ग्रुप मैच में जिम्बाब्वे के हाथों मिली हार ने उसके अभियान को थोड़ा झटका दिया। श्रीलंका अब घरेलू परिस्थितियों का फायदा उठाकर सुपर-8 में मजबूत शुरुआत करना चाहेगा। टीम के सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका अब तक शानदार फॉर्म में हैं और इस विश्व कप

में शतक लगाने वाले तीन खिलाड़ियों में शामिल हैं। वह टूर्नामेंट के शीर्ष स्कोररों में दूसरे स्थान पर हैं। उनके अलावा कुसल मेंडिस भी शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं और चार मैचों में तीन अर्धशतक लगा चुके हैं। इंग्लैंड के लिए बल्लेबाजी चिंता का विषय रही है। जैकब बेथेल ने जरूर 143 रन बनाकर प्रभावित किया है, लेकिन कप्तान हैरी ब्रूक और जोस बटलर की फॉर्म अभी भी टीम को परेशान कर रही है। गेंदबाजी में आदिल राशिद और लियाम डॉसन इंग्लैंड की उम्मीदों का केंद्र होंगे। राशिद चार मैचों में छह विकेट ले चुके हैं और स्थिति उनके पक्ष में रही तो वह श्रीलंकाई बल्लेबाजों के लिए चुनौती बन सकते हैं। तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर पर भी टीम को भरोसा रहेगा। श्रीलंका की गेंदबाजी में महीश तीक्षाना छह विकेट के साथ सबसे सफल रहे हैं। हालांकि तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना के बाहर होने से टीम को बड़ा झटका लगा है, लेकिन उनकी जगह आए दिलशान मदुशंका ने प्रभावित किया है। दुशमंथा चमीरा भी आखिरी मैच में आराम करने के बाद वापसी के लिए तैयार हैं। मैच पर बारिश का खतरा भी मंडरा रहा है, जिससे परिणाम प्रभावित हो सकता है। दोपहर 3 बजे शुरू होने वाला यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए सुपर-8 के अभियान में टोन सेट करने वाला साबित होगा।

इंग्लैंडः हैरी ब्रुक (कप्तान), टॉम बैंटन, जोस बटलर, बेन डकेट, फिल साल्ट, जैकब बेथेल, सैम करेन, लियाम डॉसन, विल जैक्स, जेमी ओवरटन, रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, आदिल राशिद, जोश टोंग, ल्यूक वुड।

श्रीलंकाः कुसल मेंडिस, कामिल मिशारा, पथुम निसांका, कुसल परेरा, पवन रत्नायके, दासुन शनाका (कप्तान), चैरिथ असालंका, दुशान हेमंथा, जेनिथ लियानगे, कामिंदु मेंडिस, दुशमंथा चमीरा, दिलशान मदुशंका, प्रमोद मदुशन, महीश तीक्षाना, डुनिथ वेललागे।

अभिषेक इस कारण हो रहे असफल : अश्विन

चेन्नई । भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा अब तक टी20 विश्वकप मैचों में रन बनाने में असफल रहे हैं। अभिषेक अपने तीनों ही मैचों में खाता नहीं खोल पाये हैं। जिससे सुपर-8 में उनके प्रदर्शन को लेकर चिंताएं बढ़ गयी हैं। वहीं पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने इस युवा बल्लेबाज को असफल होने के कारण बताने के साथ ही फार्म हासिल करने के लिए अहम सुझाव भी दिया है। अश्विन ने उनकी बल्लेबाजी का आंकलन करते हुए उनकी कमजोरी बताई है। अश्विन के अनुसार अब अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजों ने अभिषेक के खेलने के तरीके को समझ लिया है। इसलिए गेंदबाज अब उन्हें हावी होने के लिए बिल्कुल जगह नहीं देते। गेंदबाज अब अभिषेक के शरीर के बहुत करीब गेंदबाजी कर रहे हैं। वहीं अभिषेक अपना सामने वाला पैर हटाकर जोर से बल्ला घुमाते हैं। ऐसे में जब गेंद शरीर के करीब आती है तो उन्हें शॉट खेलने के लिए पर्याप्त जगह नहीं मिल पाती है जिससे वह आउट हो रहे हैं। अश्विन के अनुसार अगर नीदरलैंड के खिलाफ मैच को देखें तो गेंदबाज आर्यन दत्त ने इसी रणनीति का प्रयोग किया। आर्यन ने गेंद को अंदर की तरफ एंगल दिया जिससे वह सीधे अभिषेक के शरीर की लाइन में आई। अभिषेक उस गेंद की लाइन में नहीं आ सके और बोल्ड को गये। अभिषेक को शॉट खेलने के लिए पर्याप्त जगह नहीं मिली जिसके कारण वह आउट हो गए। गेंदबाजों ने इस प्रकार अभिषेक की आक्रामक बल्लेबाजी पर अंकुश लगा दिया है।

वर्ल्ड कप के इतिहास में लगातार सबसे अधिक मैच हारने का रिकॉर्ड ओमान के नाम

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप स्टेज का अंत ऑस्ट्रेलिया की शानदार जीत और ओमान की निराशाजनक हार के साथ हुआ। मिचेल मार्श की कप्तानी में खेल रही ऑस्ट्रेलियाई टीम ने ओमान को सिर्फ 9 विकेट से रौंद दिया। ओमान ने इस वर्ल्ड कप में अपने चारों मैच गंवा दिए और एक बार फिर टूर्नामेंट से बाहर होने का कड़वा अनुभव झेला। इस हार के साथ ओमान टी20 वर्ल्ड कप इतिहास में सबसे ज्यादा मैच हारने वाली टीम बन गई, और उन्होंने बांग्लादेश के रिकॉर्ड के बराबरी कर ली। ओमान ने पहली बार 2016 में टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था, जब तीन ग्रुप स्टेज मैचों में केवल एक जीत दर्ज की गई थी। 2021 में जीशान मकसूद की कप्तानी में भी टीम ने तीन मैचों में केवल एक ही जीत हासिल की। 2022 के एडिशन के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाए और 2024 में आकिब इलियास की कप्तानी में कोई जीत हासिल नहीं हुई। इस बार भी चार हार के साथ वे ग्रुप क्क में सबसे नीचे रहे। ऑस्ट्रेलिया ने अपने अंतिम लीग मैच में ओमान को 16.2 ओवर में 104 रन पर आउट किया। लेग स्पिनर एडम जैंपा ने चार विकेट चटकाए और सिर्फ 21 रन खर्च किए। जेवियर बार्टलेट और ग्लेन मैक्सवेल को दो-दो विकेट मिले। जवाब में मिचेल मार्श ने 33 गेंद में नाबाद 64 रन बनाए और ट्रेविस हेड ने 19 गेंद में 32 रन का योगदान दिया। दोनों ने 93 रन की साझेदारी करते हुए ऑस्ट्रेलिया को सिर्फ 9.4 ओवर में जीत दिलाई। मार्श ने सात चौके और चार छक्के लगाए, जबकि हेड ने छह चौके जड़े। यह टी20 वर्ल्ड कप में 100+ रन का लक्ष्य पूरा करने वाली अब तक की सबसे तेज जीत साबित हुई। ऑस्ट्रेलिया ने औपचारिकता के इस मैच को शानदार अंदाज में समाप्त किया, वहीं ओमान का रिकॉर्ड एक बार फिर निराशाजनक बना।

भारत ने रोमांचक मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को हराकर टी20 सीरीज जीती

एडिलेड (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एडिलेड में खेले गए निर्णायक तीसरे टी20 मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 17 रन से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला 2-1 से अपने नाम कर ली। 177 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम 20 ओवर में 159 रन ही बना सकी। भारत की ओर से कप्तान हरमनप्रीत कौर को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, जिन्होंने दबाव भरे हालात में 82 रनों की शानदार पारी खेलकर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और तीसरे ओवर में शेफाली वर्मा सिर्फ 7 रन बनाकर आउट हो गईं। हालांकि इसके बाद स्मृति मंधाना और जेमिमा रोड्रिग्स ने दूसरे विकेट के लिए महत्वपूर्ण साझेदारी की। मंधाना ने 55 गेंदों में 82 रन बनाए, जिसमें 8 चौके और 3 छक्के शामिल थे। रोड्रिग्स ने भी 46 गेंदों पर 59 रन की सूझबूझ भरी पारी खेली। अंत में ऋचा घोष ने 7 गेंदों में 18 रन जोड़कर टीम को 176/5 तक पहुंचा दिया, हालांकि आखिरी ओवर में भारत ने तेजी से तीन विकेट गंवाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की टीम की शुरुआत भी खराब रही। रेणुका सिंह ठाकुर के पहले ओवर में 18 रन जरूर बने, लेकिन जल्द ही श्रेयंका पाटिल ने भारत को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद रेणुका ने बेथ मूनी को आउट कर टीम को मजबूती दी। एलिस पैरी भी सिर्फ 1 रन बनाकर पाटिल की गेंद पर बोल्ड हो गईं। इस शुरुआती झटकों के बाद ऑस्ट्रेलिया दबाव से उबर नहीं पाई। फोएबे लिचफील्ड ने 26 रन की पारी खेली, लेकिन श्री चरणी ने उन्हें आउट कर भारत को चौथी सफलता दिलाई। अरुणधति रेड्डी ने लगातार दो विकेट चटकाते हुए ऑस्ट्रेलिया की उम्मीदों को और कमजोर किया। एश्ली गार्डनर ने जरूर 45 गेंदों में 57 रन बनाकर प्रतिरोध किया, लेकिन उन्हें भी रेड्डी ने पवेलियन भेज दिया।

ग्रेस हैरिस हिट-विकेट हुईं और सोफी मोलीनेक्स भी श्री चरणी की गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट हुईं। अंत में श्रेयंका पाटिल ने एमी सदरलैंड को आउट कर ऑस्ट्रेलिया की आखिरी उम्मीद भी खत्म कर दी। भारतीय गेंदबाजों के सामूहिक प्रदर्शन ने टीम को शानदार जीत दिलाई। इस जीत के साथ भारत ने न केवल सीरीज अपने नाम की, बल्कि मजबूत टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दमदार खेल दिखाते हुए आत्मविश्वास भी बढ़ाया।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 : बासित अली का दावा – भारत-पाकिस्तान में होगा फाइनल

नई दिल्ली । आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप के ग्रुप स्टेज में भारत और पाकिस्तान के बीच एक हाई-वोल्टेज मुकाबला हो चुका है, लेकिन क्रिकेट प्रेमियों की इच्छा इससे भी आगे की है। फैंस अब दोनों टीमों को एक बार फिर आमने-सामने देखने का इंतजार कर रहे हैं। इसी बीच पूर्व पाकिस्तानी बल्लेबाज बासित अली के बयान ने टूर्नामेंट को लेकर उत्सुकता और बढ़ा दी है। बासित अली का मानना है कि टी20 वर्ल्ड कप 2026 का फाइनल भारत और पाकिस्तान के बीच खेला जाएगा और सलमान अली आगा की अगुवाई वाली पाक टीम 8 मार्च को भारतीय टीम से खिताबी मुकाबले में भिड़ेगी।

यह भविष्यवाणी उन्होंने एक पाकिस्तानी टीवी शो के दौरान की, जहां शो के होस्ट शोयब मलिक ने उनसे टी20 वर्ल्ड कप के चार सेमीफाइनलिस्ट चुनने को कहा। बासित ने बिना झिझक भारत और पाकिस्तान को फाइनलिस्ट बताते हुए कहा कि वे दोनों टीमों को अंतिम मुकाबले में खेलते हुए देख रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड को सेमीफाइनल में पहुंचने वाली बाकी दो टीमें माना। वहीं शो में मौजूद पूर्व विकेटकीपर कमरान अकमल ने थोड़ा अलग अनुमान लगाते हुए भारत, पाकिस्तान, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका को शीर्ष चार में शामिल किया। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर-8 चरण में टीम इंडिया दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे के साथ एक्स ग्रुप में है। दूसरी ओर पाकिस्तान इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और श्रीलंका के साथ वाई ग्रुप में शामिल है। दोनों समूहों में प्रतिस्पर्धा बेहद कड़ी होने वाली है और हर मैच टीमों के अभियान को गहराई से प्रभावित कर सकता है।

दुबई टेनिस चैंपियनशिप : कोको गॉफ को हराकर फाइनल में एलिना स्वितोलिना

दुबई। यूक्रेन की स्टार टेनिस खिलाड़ी एलिना स्वितोलिना ने दुबई टेनिस चैंपियनशिप के महिला सिंगल्स सेमीफाइनल में अमेरिका की Coco Gauff को तीन सेटों के कड़े मुकाबले में हराकर फाइनल में जगह बना ली। तीन घंटे तीन मिनट तक चले इस रोमांचक मैच में स्वितोलिना ने 6-4, 6-7 (13), 6-4 से जीत दर्ज की। मुकाबले के दौरान उन्होंने कई मैच प्वाइंट गंवाए, लेकिन निर्णायक सेट में दमदार वापसी कर जीत अपने नाम की। दूसरे सेट का टाई-ब्रेक बेहद रोमांचक रहा, जिसे स्वितोलिना 13-15 से हार गईं। इसके बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और तीसरे सेट में संयम व आक्रामक खेल का बेहतरीन संतुलन दिखाते हुए मुकाबला जीत लिया। यह दुबई में उनका तीसरा फाइनल है और 2018 के बाद पहला। मैच के बाद कोर्ट पर दिए इंटरव्यू में स्वितोलिना ने कहा, 'उस लड़ाई के बाद मेरे पास शब्द नहीं थे। मैं पूरी ताकत झोंक रही थी और ऐसे खेल रही थी जैसे कल है ही नहीं। आप सभी के समर्थन के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। कुछ सालों बाद यहां फिर से फाइनल में होना और उस खूबसूरत ट्रॉफी को उठाने का मौका मिलना बहुत खास है।' इस जीत के साथ स्वितोलिना ने डब्ल्यूटीए टूर स्तर पर कोको गॉफ के खिलाफ अपना हेड-टू-हेड रिकॉर्ड 3-2 कर लिया है। अब वह फाइनल में अमेरिका की Jessica Pegula से भिड़ेंगी। यह 2018 के रोम टूर्नामेंट के बाद स्वितोलिना का पहला WTA 1000 फाइनल है। रोम 2018 और दुबई 2026 के बीच सात साल 277 दिन का अंतर है, जो इस स्तर के फाइनल्स के बीच सबसे लंबा अंतराल माना जा रहा है।

श्रीकांत ने वरुण को आधुनिक युग का महान गेंदबाज बताया

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कृष्णमाचारी श्रीकांत ने मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती की जमकर प्रशंसा की है। श्रीकांत का मानना है कि वरुण आधुनिक युग के महान गेंदबाज हैं और तेज जसप्रीत बुमराह से भी कहीं बेहतर हैं। इस पूर्व सलामी बल्लेबाज के अनुसार वरुण को अभी तक उतनी सराहना नहीं मिली है जितनी मिलनी चाहिये थी। वरुण ने अब तक टी20 विश्व कप के चार मैचों में 6.88 की औसत और 5.16 की इकॉनमी रेट से नौ विकेट लिए हैं। वरुण और बुमराह ने अब तक साथ में 21 मैच खेले हैं, जिनमें विकेट लेने के मामले में वरुण ने बुमराह को पीछे छोड़ दिया है। वरुण ने 32 विकेट लिए हैं, जबकि बुमराह के 22 विकेट हैं। श्रीकांत के अनुसार इसके बाद भी वरुण को वह सम्मान नहीं मिला है जो मिलना चाहिये जबकि दुनिया भर के बेहतरीन बल्लेबाज भी उसने सामने सहज नजर नहीं आते। पहले जो काम बुमराह करते थे वही वरुण अब कर रहे हैं। साथ ही कहा कि उनकी ज्यादातर गेंदें ऑफ स्टंप और मिडिल स्टंप के आसपास होती हैं। ऐसे में दाएं हाथ के बल्लेबाजों के खिलाफ, गेंदें थोड़ी अंदर की ओर आती है और फिर घूमती है जबकि उनकी गूगली तेजी से अंदर की ओर आती है। उनके ज्यादातर विकेट अच्छी लेंथ या थोड़ी कम लेंथ की गेंदों से आते हैं। फुल लेंथ की गेंदें भी नहीं। यहां तक कि उनकी शॉर्ट बॉल भी समझ नहीं आती हैं। इससे बल्लेबाजों को पता नहीं चलता कि वह किस प्रकार की गेंदबाजी कर रहें है। अभी लगता है कि वह गूगली फेंक रहे हैं तो अभी लगता है कि वह सीधी गेंद फेंक रहे हैं जो धीमी आ रही है या तेज वह भी समझ नहीं आता। अचानक वह एक तेज गेंद फेंकता है। फिर वह गति बदल देता है।' श्रीकांत का मानना है कि अगर भारत 2026 टी20 विश्व कप जीतता है, तो वरुण टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बनने के प्रबल दावेदार हैं।

फीफा वर्ल्ड कप से पहले बड़ा संकेत, नेमार ने संन्यास को लेकर तोड़ी चुप्पी

सैंटोस (ब्राज़ील) (एजेंसी)। ब्राज़ील के स्टार फुटबॉलर नेमार ने संकेत दिया है कि वह 2026 के अंत में प्रोफेशनल फुटबॉल से संन्यास ले सकते हैं। हालांकि उनका पूरा फोकस इस साल होने वाले FIFA World Cup 2026 में ब्राज़ील का प्रतिनिधित्व करने पर है। लगातार चोटों से जूझ रहे 34 वर्षीय नेमार फिलहाल फिटनेस हासिल करने की जद्दोजहद में हैं और एक बार फिर राष्ट्रीय टीम में वापसी की उम्मीद लगाए बैठे हैं।

सैंटोस में वापसी के बाद फिर से मिला आत्मविश्वास

Santos FC के साथ अपने करियर की नई शुरुआत कर रहे नेमार ने दिसंबर 2025 में घुटने की सर्जरी करवाई थी। इससे पहले वह एसीएल (ACL) चोट के कारण पूरा सीजन नहीं खेल पाए थे। FC Barcelona और Paris Saint-Germain के साथ सफल कार्यकाल के बाद नेमार ने अपने पुराने क्लब सैंटोस में वापसी की है। उनका कॉन्ट्रैक्ट कैलेंडर वर्ष के अंत तक बढ़ा दिया गया है।

नेमार ने कहा, 'मुझे नहीं पता भविष्य में क्या होगा। संभव है कि दिसंबर में मैं संन्यास लेने का फैसला करूं। मैं दिन-प्रतिदिन जी रहा हूं। यह साल मेरे लिए, सैंटोस के लिए और ब्राज़ीलियन नेशनल टीम के लिए बेहद अहम है।'

फिटनेस पर पूरा ध्यान, आलोचनाओं का दिया जवाब

नेमार ने बताया कि वह इस सीजन 100 प्रतिशत फिट होकर लौटना चाहते थे, इसलिए कुछ मैचों में आराम किया। उन्होंने कहा कि लोग बाहरी बातें करते हैं, लेकिन वह अपनी फिटनेस को प्राथमिकता दे रहे हैं। 'मैं बिना दर्द और बिना डर के, पूरी तरह फिट होकर लौटना चाहता था। आखिरी मैच में मेरी वापसी अच्छी रही। मैं धीरे-धीरे अपनी लय में आ रहा हूं।'

वर्ल्ड कप में वापसी बड़ी प्राथमिकता

ब्राज़ील के लिए 128 मैचों में 79 गोल कर चुके नेमार अक्टूबर 2023 के बाद से राष्ट्रीय टीम के लिए नहीं खेले हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक ब्राज़ील के कोच Carlo Ancelotti उनकी फिटनेस पर नजर बनाए हुए हैं।

ब्राज़ील को FIFA World Cup 2026 में ग्रुप C में रखा गया है। टीम 13 जून को Morocco national football team के खिलाफ MetLife Stadium में अपना अभियान शुरू करेगी। इसके बाद हैती और स्कॉटलैंड से मुकाबले होंगे। फिलहाल नेमार का पूरा ध्यान फिटनेस और प्रदर्शन पर है, जबकि उनके करियर का भविष्य अभी अनिश्चित बना हुआ है।

फिल्म नहीं, समाज की सच्चाई है अस्सी, दूसरे हाफ में थोड़ी भटकी, तापसी पर भारी कनी कुश्रुति

एक फिल्म जो आपको हर बीस मिनट पर याद दिलाती है कि जब आप इसे देख रहे हैं उतनी देर में देशभर में कई महिलाएं दुष्कर्म का शिकार बन चुकी हैं। 'अस्सी' को आप एक फिल्म की तरह नहीं देख सकते। यह एक फिल्म है भी नहीं। यह बस उस समाज की काली सच्चाई है, जिसमें आप और हम सांस ले रहे हैं।

इसकी कहानी स्कूल टीचर परिमा (कनी कुश्रुति) की है, जो अपने पति विनय (जीशान अय्यूब) और बच्चे ध्रुव (अद्विक जायसवाल) के साथ रहती है। एक दिन स्कूल की किसी टीचर की फेयरवेल पार्टी से लौटते वक्त कुछ लड़के उसको अगवा कर लेते हैं। उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म करते है और फिर उसे बुरी हालत में पटरी के पास फेंक देते हैं। इसके बाद शुरू होती है उसके इंसाफ की लड़ाई। इसमें उनका साथ देती हैं वकील रावी (तापसी पन्नू)। रावी, विनय के दोस्त कार्तिक (कुमुद मिश्रा) की मुंहबोली बहन हैं। कार्तिक की पत्नी कावेरी (दिव्या दत्ता) की भी एक सड़क हादसे में मौत हो गई थी, जिसका इंसाफ अब तक नहीं मिला। इसके चलते कार्तिक के मन में समाज और न्याय प्रणाली दोनों के प्रति नफरत घर कर चुकी है। कहानी तब अहम मोड़ लेती है जब कोई छतरी मैन बनकर परिमा के आरोपियों में से

एक ही हत्या कर देता है। क्या रावी, परिमा को इंसाफ दिला पाएगी? कौन है वो छतरी मैन जिसने दुष्कर्मियों की हत्या की क्या कार्तिक को भी इंसाफ मिलेगा ये जवाब आपको फिल्म देखकर मिलेंगे।

क्या अच्छा: 'फिसलने की भी एक सीमा होती है, कोई खूंटी तो लगानी चाहिए', 'स्कूल का रिजल्ट बेस्ट आ रहा था पर पूरा स्कूल फेल हो गया', 'किसी के मरने से अच्छा लग रहा है.. ये तो नहीं चाहिए था', 'अंदर सब बदल गया है और शीशे में सब एक सा दिखता है', 'तुम मर्दों को भ्रम क्यों है कि गुस्सा सिर्फ तुम्हे आता है? औरत को इतना गुस्सा आता है कि दुनिया राख हो जाए बस हमको जलानी नहीं है' इस तरह के दमदार डायलॉग इस फिल्म की बड़ी ताकत हैं। इसके अलावा कई सीन हैं, जो आपको झकझोरते हैं। एक इंसान की अंदर कितनी परतें होती हैं यह फिल्म अलग-अलग किरदारों के जरिए आपको दिखाती है। पहले हाफ में यह अपनी पकड़ बनाए रहती है। कहानी कसी हुई है और आप इसमें डूब चुके होते हैं। सेकंड हाफ के बाद फिल्म की पकड़ कुछ कमजोर होती है, छतरी मैन वाला एंगल इसकी गंभीरता को हल्का बनाता है। कोर्ट रूम सीन भी कुछ अच्छे बन पड़े हैं तो कुछ लॉजिक से हटकर हैं। हालांकि, ऐसी फिल्मों में अंत में संदेश मायने रखते हैं तो फिर ये सभी बातें भूला दी जाती हैं।

अभिनय: फिल्म में सबसे मुश्किल किरदार कनी कुश्रुति ने निभाया है। दुष्कर्म पीड़िता के किरदार का दर्द, तकलीफ और गुस्सा उन्होंने बखूबी पेश किया। कई सीन में तो उन्हें देखकर आपको दर्द उठता है। गुस्से से भरे और सिस्टम से हारे एक शख्स का किरदार कुमुद मिश्रा ने बखूबरी निभाया है। कई दृश्य में उनकी चुप्पी बोलती है। तापसी पन्नू का किरदार जितना है उन्होंने उसे बखूबी निभाया है। यकीनन वो फिल्म का पिलर हैं पर उनके हिस्से बस एक ही कमाल का सीन आया है जिसमें वो मोनोलॉग देती नजर आती है। एक्टर जतिन गोस्वामी का काम बढ़िया है। मोहम्मद जीशान अय्यूब, रेवती और मनोज पहवा जैसे कलाकारों ने अपने किरदार से न्याय किया है। फिल्म में नसीरुद्दीन शाह, सुप्रिया पाठक और सीमा पहवा के भी कैमियो और स्पेशल अपीयरेंस हैं। इन्होंने भी अपना काम भरपूर किया है।

निर्देशन: बतौर निर्देशक अनुभव सिन्हा इतने सच्चे हैं कि कई सीन आपको सिहरन देते हैं। रोंगटे खड़े कर देते हैं। समाज का आईना देखकर आप हैरान रह जाते हैं। कैमरा वर्क और बैकग्राउंड म्यूजिक मिलकर सीन को असली बनाते हैं। फिल्म में उन्होंने सिर्फ दुष्कर्म ही नहीं, बल्कि आज के समाज के बच्चे, घूसखोरी, सिस्टम फेलियर समेत कई मुद्दों पर समय-समय पर तंज किया है। सबसे खास बात यह है कि स्क्रीन पर वो आपको हर 20 मिनट बाद याद दिलाते हैं कि समाज में क्या कुछ भयावह घट चुका है। बस अनुभव थोड़ा सा फिल्म के दूसरे हाफ में भटके नजर आए।

देखें या नहीं: समाज के लिए बेहद जरूरी फिल्म है। यकीनन देखनी चाहिए पर ऐसी फिल्में आप थिएटर में देखने थोड़े ही जाते हैं तो भले ही कल को ओटीटी पर देखें पर देखें जरूर।

अस्सी मेरी सबसे कमर्शियल फिल्म, अनुभव सिन्हा को नहीं होती बॉक्स ऑफिस नंबर्स की चिंता, बोले- मुद्दा है जरूरी

अनुभव सिन्हा की 'अस्सी' आज सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। देश में होने वाली दुष्कर्म की घटनाओं पर आधारित यह फिल्म अपनी घोषणा के बाद से ही चर्चाओं में हैं। हालांकि, जब इस फिल्म की घोषणा हुई थी तो लोगों को लगा था कि अनुभव सिन्हा अपने गृहनगर वाराणसी के अस्सी घाट की कहानी लेकर आ रहे हैं, लेकिन जल्द ही पता चल गया कि कहानी एक संवेदनशील और जरूरी मुद्दे पर आधारित है। फिल्म को लेकर निर्देशक का कहना है कि कहानी का मूल विचार समाचार पत्रों की सुर्खियों से ही प्रेरित है।

लोगों को अब अपराध की गंभीरता से फर्क नहीं पड़ता: स्क्रीन के साथ बातचीत में अनुभव सिन्हा ने फिल्म को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि हमारे चारों ओर सूचनाओं की भरमार के कारण, दर्शकों को किसी अपराध की गंभीरता का एहसास कराना कठिन होता जा रहा है। फिर चाहे वह बलात्कार जैसा जघन्य अपराध ही क्यों न हो। अब यह उतना मायने नहीं रखता कि आपकी आंखों के सामने क्या है, बल्कि यह मायने रखता है कि क्या आकर्षक है। आप उससे विचलित हो जाते हैं। इसलिए यह कोई गपशप या सनसनीखेज कहानी हो सकती है, क्योंकि यह अब सनसनीखेज नहीं रह गई है।

बॉक्स ऑफिस नंबर्स गपशप का विषय: बॉक्स ऑफिस नंबर्स और क्रिटिक्स की रेटिंग को लेकर निर्देशक का कहना है कि बॉक्स ऑफिस कलेक्शन और समीक्षाओं में स्टार रेटिंग जैसी मामूली बातें भी चर्चा को एक संख्या तक सीमित कर देती हैं। जबकि असल मुद्दा चिंता का विषय होना चाहिए। ये आंकड़े गपशप का

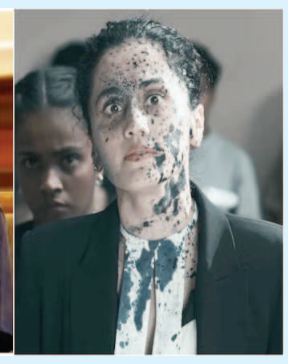

अच्छा जरिया हैं। मुझे उम्मीद है कि दर्शक इसे समझ रहे होंगे। उन्हें यह समझ नहीं आता कि दुनिया भर में कुल कमाई, भारत में कुल कमाई और भारत में शुद्ध कमाई क्या होती है। उन्हें यह नहीं पता कि निर्माता को बताई गई रकम का 50 फीसदी से भी कम मिलता है। 400 करोड़ रुपए, 700 करोड़ रुपए और 800 करोड़ रुपए जैसे आंकड़े तो बहुत ही महत्वाकांक्षी लगते हैं, लेकिन मुझे उम्मीद है कि दर्शक इन आंकड़ों को गंभीरता से नहीं लेंगे। अगर मैं कर सकता तो मैं अपने आंकड़े घोषित नहीं करता, चाहे वे कितने भी अच्छे या बुरे क्यों न हों, लेकिन मैं इसे नहीं रोक सकता।

छोटे शहरों में भी देखी जाती हैं 'अस्सी' जैसी फिल्में: अनुभव सिन्हा का मानना है कि वो इस धारणा को तोड़ देंगे कि 'अस्सी' जैसी फिल्में जनता के लिए नहीं होती हैं। उन्होंने अपने जमीनी स्तर के अभियान 'चल सिनेमा चलें' के तहत भारत के 40 दूसरे दर्जे के शहरों का दौरा किया है। उनका कहना है कि यह एक गलत धारणा है। उन्होंने कहा कि अब मैं कह सकता हूं कि दूसरे दर्जे के शहरों में इस तरह की फिल्में नहीं देखी जातीं। वे सिर्फ जवान या कांतारा जैसी फिल्में देखते हैं। बेशक उन्हें वो फिल्में ज्यादा पसंद आती हैं, लेकिन इन फिल्मों में भी उनकी काफी दिलचस्पी है। दिक्कत ये थी कि हम उन्हें सही तरीके से फिल्म नहीं दिखा पा रहे थे। इसलिए इस बार मेरा पूरा अभियान घर-घर जाकर प्रचार करने पर केंद्रित है। पिछले दो महीनों से हम छोटे शहरों में फिल्म का प्रचार कर रहे हैं।

बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन करेगी 'अस्सी': अनुभव का कहना है कि अस्सी मेरे इस अवतार में बनी सबसे कमर्शियल फिल्म है। मुझे पूरा विश्वास है कि यह बॉक्स ऑफिस पर बहुत अच्छा प्रदर्शन करेगी, क्योंकि यह बेहद नाटकीय और तेज गति वाली है। इसमें झूठ और चौंकाने वाले मोड़ हैं। अदालत का सीन दर्शकों के लिए हमेशा ही दिलचस्प होता है, क्योंकि उन्हें बहस में भाग लेने का मौका मिलता है। वे न्यायाधीश का मूल्यांकन करते हैं।

कोर्टरूम के अंदर के माहौल से असल में यह हुआ वाकिफ: कोर्टरूम को लेकर अनुभव ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट में मेरी दो वरिष्ठ महिला वकील दोस्त हैं। हमने उन्हें कहानी सुनाई। उन्होंने कहा कि आप लोग इतनी गंदी कोर्ट शूटिंग करते हो। आपने कभी कोर्ट देखी है? मैंने कहा कि जी हां, सुप्रीम कोर्ट तो उन्होंने कहा कि इसीलिए! आपने वो शांत, परिष्कृत कोर्टरूम देखा है, जहां हर कोई चुपचाप सुनता रहता है, लेकिन फिल्म का मामला उस कोर्ट में नहीं जाएगा। अगले ही दिन मैंने नई दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट का दौरा किया और वहां का नजारा देखकर दंग रह गया। मुझे एहसास हुआ कि मैंने फिल्म 'मुल्क' के कोर्टरूम सीन गलत तरीके से फिल्माए थे। यह कोर्टरूम बहुत भीड़भाड़ वाला और अव्यवस्थित है। मुझे कोर्टरूम की यह शीतलता बहुत पसंद आई। कोर्टरूम अपने काम में इतना मशगूल रहता है, जबकि आपका जीवन इस पर निर्भर करता है।

सोनी सब के नए मेडिकल ड्रामा यादें में गुलकी जोशी की एंट्री

सोनी सब अपने नए मेडिकल ड्रामा 'हुई गुम यादें एक डॉक्टर, दो जिंदगियां' पेश करने जा रहा है। यह शो विश्वभर में सराहे गए इटालियन सीरीज डीओसी का भारतीय रूपांतरण है, जिसे कई देशों में सफलता पूर्वक अपनाया गया है। 'दूसरे मौके' की थीम पर आधारित यह कहानी एक प्रतिभाशाली डॉक्टर देव (इकबाल खान) की असाधारण यात्रा को दर्शाती है, जो एक हादसे में आठ साल की याददाश्त खोने के बाद अपनी दुनिया को फिर से जोड़ने की कोशिश करता है। प्रसिद्ध अभिनेत्री गुलकी जोशी इस शो में अहम किरदार निभाने जा रही हैं। वे सृष्टि का रोल करेंगी, जो डॉक्टर देव मेहता की पूर्व पत्नी है। गुलकी एक मजबूत, बुद्धिमान और भावनात्मक रूप से गहरी महिला का किरदार निभाएंगी, जो अपने पेशेवर और निजी जीवन को शांत दृढ़ता के साथ संतुलित करती है। एक समय डॉक्टर रही सृष्टि ने अपने बच्चों की परवरिश के लिए प्रैक्टिस छोड़ दी थी और बाद में उस अस्पताल की प्रशासनिक जिम्मेदारियां संभालीं, जहां देव काम करता था। उसका मानना है कि उनके विवाह का टूटना देव के व्यक्तित्व में आए बदलाव और उनके छह वर्षीय बेटे ध्रुव की दुःख मृत्यु के कारण हुआ, जिसने उनके रिश्ते को अपूरणीय बना दिया, लेकिन किस्मत करवट लेती है जब देव अपनी याददाश्त खो देता है। सृष्टि अचानक देव के उस रूप से रूबरू होती है, जिसे उसने वर्षों से नहीं देखा था, यानी एक संवेदनशील, समर्पित इंसान जो फिर से उससे गहराई से प्यार करता है। गुलकी जोशी ने अपने किरदार को लेकर कहा कि मैं सचमुच बहुत उत्साहित हूं कि यादें का हिस्सा बनी हूं। जब मैंने कहानी सुनी तो तुरंत महसूस हुआ कि यह वही शो है, जिससे मैं जुड़ना चाहती हूं। यह कहानी ज्यादा नाटकीय नहीं लगी, बल्कि बेहद वास्तविक लगी। भावनाएं, रिश्ते, सब कुछ ईमानदार और जुड़ाव भरा लगा। मेरे लिए किसी शो को हां कहना सिर्फ किरदार के बारे में नहीं होता, बल्कि उस पूरे अनुभव के बारे में होता है। इसमें कहानी, लोग और यह देखना शामिल है कि स्क्रिप्ट आपको एक अभिनेता और इंसान के तौर पर छूती है या नहीं। इस प्रोजेक्ट ने मुझे वही सुकून और उत्साह दिया है।

मार्च में कृतिका कामरा और गौरव कपूर के घर पर बजेगी शहनाई

अभिनेत्री कृतिका कामरा और टीवी प्रेजेंटर व क्रिकेट कमेंटेटर गौरव कपूर की जोड़ी काफी पसंद की जाती है। जब से दोनों ने अपना रिलेशन ऑफिशियल किया है, इनकी शादी को लेकर कयास लग रहे हैं। कहा जा रहा है कि मार्च में यह जोड़ी शादी रचाने वाली है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कृतिका और गौरव कपूर 11 मार्च को मुंबई में रजिस्टर मैरिज करने वाले हैं। इसके बाद रिसेप्शन पार्टी का आयोजन भी होगा।

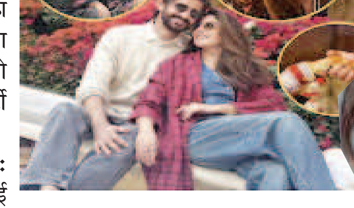

करीबी दोस्त और परिवार के सदस्य ही होंगे शामिल: कृतिका कामरा और गौरव कपूर की शादी टीवी प्रेजेंटर के मुंबई स्थित आवास पर होगी। रजिस्टर मैरिज बहुत निजी रूप से होगी, जिसमें करीबी दोस्त और परिवार के सदस्य ही शामिल होंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कपल के एक करीबी सोर्स ने कहा कि कृतिका और गौरव चाहते थे कि उनकी शादी दिखावटी होने के बजाय असली और पर्सनल लगे। हालांकि, वे परंपरा को बहुत महत्व देते हैं। ऐसे में वे यह भी चाहते हैं कि सेलिब्रेशन में दिखें कि वे कौन हैं, वे कितने मिलनसार, जुड़े हुए, एलिगेंट हैं और उनके आस-पास वे लोग हैं, जो सच में उनके लिए मायने रखते हैं'।

जश्न में नहीं छोड़ना चाहते कोई कसर: रजिस्टर मैरिज के बाद कृतिका और गौरव रिसेप्शन पार्टी रखेंगे। कहा जा रहा है कि शादी के अगले दिन यानी 12 मार्च को रिसेप्शन की तैयारी है। कृतिका और गौरव मार्च में अपनी शादी और रिसेप्शन के जश्न में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते। वे अभी से तैयारियों में जुट चुके हैं। सेलिब्रेशन में पूरी तरह डूबने के लिए कपल फिलहाल अपने-अपने प्रोफेशनल कमिटमेंट्स पूरे कर रहे हैं।

कृतिका और गौरव का वर्क फ्रंट: कृतिका और गौरव के रिसेप्शन की शाम को एक पार्टी का आयोजन होगा, इसमें इसमें शान-शौकत के बजाय लग्जरी का तड़का होगा। पार्टी में दोनों के परिवार के सदस्य, करीबी दोस्त, क्रिकेट व फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गज शामिल होंगे। कृतिका के वर्क फ्रंट की बात करें तो इन्होंने हाल ही में इंडिपेंडेंट जॉनर की फिल्म की शूटिंग शुरू की है। इसकी शूटिंग मार्च के पहले हफ्ते तक खत्म होने की उम्मीद है। वहीं, गौरव अपने वर्ल्ड कप के होस्टिंग कमिटमेंट्स के साथ एक बिजी शेड्यूल को मैनेज कर रहे हैं।

मुंबई में 11 को होगी रजिस्टर्ड मैरिज, भव्य रिसेप्शन की भी तैयारी

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में आरडब्ल्यूए के लिए एक समान नीति ला रहा एमसीडी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली नगर निगम प्रशासन के अधीनस्थ पार्कों के रखरखाव के लिए आरडब्ल्यूए को मिलने वाली वित्तीय सहायता राशि को पूरी दिल्ली में एक समान किया जा रहा है। नगर निगम पूरी दिल्ली की आरडब्ल्यूए के लिए एक कॉमन पॉलिसी ला रहा है। इस संबंध में निगम की सदन की बैठक में अगले सप्ताह सोमवार को प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाएगा। इससे दिल्ली की प्रत्येक आरडब्ल्यूए को एक समान वित्तीय सहायता राशि निगम द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी। इसमें प्रत्येक आरडब्ल्यूए को अब निगम के पार्कों के रखरखाव व अन्य कार्यों के लिए प्रत्येक एकड़ के अनुसार 13 हजार 500 रुपये प्रति महीना प्रदान किया जाएगा। निगम की यह सार्वजनिक निजी साझेदारी योजना (पीपीपी स्कीम) पूर्ववर्ती तीनों नगर निगमों के कार्यकाल से चली आ रही है। इसमें पूर्ववर्ती पूर्वी दिल्ली नगर निगम की वित्तीय सहायता राशि को 8,660 रुपये प्रति वर्ग मीटर पार्कों के लिए प्रति महीना आरडब्ल्यूए व गैर सरकारी संगठनों को दी जाती थी। इसी की तर्ज पर पूर्ववर्ती उत्तरी दिल्ली नगर निगम के पार्कों के लिए आठ हजार रुपये प्रति एकड़ प्रति महीना आरडब्ल्यूए को दी जाती थी। जबकि पूर्ववर्ती दक्षिणी दिल्ली नगर निगम द्वारा 13500 रुपये पार्कों के लिए प्रति एकड़ प्रति महीना के अनुसार आरडब्ल्यूए को वित्तीय सहायता राशि दी जाती थी। अब निगम के एकीकरण के बाद निगम प्रशासन निगम के पार्कों के रखरखाव संचालन के लिए प्रदान होने वाली इस वित्तीय सहायता राशि को पूरी दिल्ली में सभी आरडब्ल्यूए के लिए एक समान कर रहा है। पूर्ववर्ती पूर्वी दिल्ली नगर निगम के लिए भी प्रति एकड़ के हिसाब से पहले वित्तीय राशि थी। अब सभी के लिए 13500 रुपये की राशि प्रत्येक आरडब्ल्यूए को प्रदान की जाएगी। महापौर राजा इकबाल सिंह ने बताया कि इस तरह की योजना से निगम के 15 हजार पार्कों के रखरखाव और संचालन को नई गति मिलेगी। इसमें सभी आरडब्ल्यूए नियम अनुसार पंजीकृत होनी चाहिए। इसके अतिरिक्त निगम प्रशासन दो सौ से अधिक बैड के लिए किंग्सवे कैंप में एक नए अस्पताल का निर्माण करेगा। इसकी रूपरेखा और अन्य वित्तीय प्रशासन कार्यों को लेकर भी प्रस्ताव पेश होगा।

एमसीडी को अदालत की फटकार, संपत्ति विवाद मामले में डीसी को तलब किया

नईदिल्ली, एजेंसी। एक अदालत ने एमसीडी के उपायुक्त को नोटिस जारी कर इंजीनियरों सहित व्यक्तिगत रूप से पेश होने का निर्देश दिया है। अदालत ने पाया कि संपत्ति विवाद के मामले में नगर निगम द्वारा दायर की गई स्थिति रिपोर्ट उसके निर्देशों के अनुरूप नहीं थी। वरिष्ठ सिविल जज अनिमेष भास्कर मणि त्रिपाठी, दिल्ली नगर निगम द्वारा एक अनधिकृत विवादित संपत्ति के विध्वंस से संबंधित दीवानी मुकदमे की सुनवाई कर रहे थे। न्यायाधीश ने 17 फरवरी के अपने आदेश में कहा कि एमसीडी के उपायुक्त (डीसी) को अदालत का नोटिस जारी किया जाए। इसमें उनसे 2 दिसंबर 2025 के आदेश के अनुपालन में उचित स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने या अगली सुनवाई की तारीख पर खुद इस अदालत में उपस्थित होने का अनुरोध किया जाए। प्रतिवादियों को पहले ही विवादित संपत्ति पर किसी भी प्रकार का और निर्माण कार्य करने से रोक दिया गया था। 2 दिसंबर 2025 को एमसीडी ने एक स्टेटस रिपोर्ट दाखिल की जिसके अनुसार 23 अक्टूबर 2025 का विध्वंस आदेश पारित किया गया था। अदालत ने 2 दिसंबर 2025 के अपने आदेश में कहा कि स्टेटस रिपोर्ट को केवल आज स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने की औपचारिकता पूरी करने के लिए सतही तरीके से दाखिल किया गया है। असिस्टेंट इंजीनियर और जूनियर इंजीनियर से लिखित में स्पष्टीकरण मांगा। जिसे संबंधित उपायुक्त द्वारा 17 फरवरी तक स्टेटस रिपोर्ट के साथ विधिवत पेश किया जाना था। हालांकि 17 फरवरी को दाखिल की गई स्थिति रिपोर्ट पर केवल सहायक अभियंता और कनिष्ठ अभियंता के हस्ताक्षर थे और इसके साथ न तो अलग से लिखित स्पष्टीकरण संलग्न थे और न ही इसे निर्देशानुसार उपायुक्त द्वारा विधिवत भेजा गया था। अदालत ने मंगलवार को कहा कि रिकॉर्ड की जांच से स्पष्ट रूप से पता चलता है कि आज दाखिल की गई स्थिति रिपोर्ट 2 दिसंबर 2025 के आदेश के अनुरूप नहीं है।

दिल्ली में रॉन्ग साइड ड्राइविंग पर और बढ़ी सख्ती, 38 दिन में 182 लोगों पर एफआईआर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने रॉन्ग साइड ड्राइविंग करने वाले वाहन चालकों पर अब और ज्यादा सख्ती बरतनी शुरू कर दी है। 3 जनवरी से 8 फरवरी के बीच रॉन्ग साइड में गाड़ी चलाने के आरोप में 182 एफआईआर दर्ज की गई हैं, जिनमें से सबसे अधिक मामले नई दिल्ली क्षेत्र में दर्ज किए गए हैं। आधिकारिक आंकड़ों से यह जानकारी मिली है।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दिल्ली में सड़क पर रॉन्ग साइड में गाड़ी चलाना अब मामूली ट्रैफिक उल्लंघन नहीं माना जा रहा, बल्कि एक गंभीर और जानलेवा अपराध माना जा रहा है। इन आंकड़ों के अनुसार, रॉन्ग साइड में गाड़ी चलाने वाले वाहन चालकों के खिलाफ औसतन प्रतिदिन 5 एफआईआर दर्ज की गई हैं।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इस अवधि के दौरान सबसे अधिक 53 मामले नई दिल्ली रेंज में दर्ज किए गए। दक्षिणी रेंज में 37 एफआईआर दर्ज की गईं, जबकि मध्य, उत्तरी और पश्चिमी रेंज में 27-27 मामले दर्ज किए गए। पूर्वी रेंज में 11 एफआईआर दर्ज की गईं।

इस संबंध में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 281 (तेज रफ्तार से वाहन चलाना जिसमें 6 महीने तक की कैद और 1,000 रुपये का जुर्माना या दोनों हो सकते हैं) के साथ-साथ मोटर वाहन अधिनियम के संबंधित प्रावधानों के तहत मामले दर्ज किए गए हैं। पुलिस अधिकारी ने कहा, रॉन्ग साइड में गाड़ी चलाना, ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करना और लाल बत्ती पार करना आमने-सामने की टक्करों, वाहन चालकों और पैदल यात्रियों को गंभीर चोटों तथा जानलेवा सड़क दुर्घटनाओं का खतरा काफी बढ़ा देता है। विपरीत दिशा में गाड़ी चलाना न केवल नियम तोड़ने वाले को, बल्कि सड़क पर चलने वाले निर्दोष लोगों को भी अत्यधिक खतरे में

डालता है। तेज गति से आमने-सामने की टक्कर में बचने की संभावना बहुत कम होती है। अधिकारी ने इस बात पर जोर दिया कि दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर पूरे शहर में सख्त प्रवर्तन उपाय किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी कैमरों, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)-बेस्ड हाई टेक्नोलॉजी वाले कैमरों के माध्यम से निगरानी और प्रमुख चौराहों, फ्लाईओवरों तथा अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में ट्रैफिक पुलिस कर्मियों की तैनाती तथा गहन गश्त मौजूदा अभियान का हिस्सा है। अधिकारी ने कहा, सभी को सही लेन में गाड़ी चलानी चाहिए और स्पीड लिमिट का सख्ती से पालन करना चाहिए। तेज गति जानलेवा साबित हो सकती है। गाड़ी चलाते समय लोगों को अपने फोन का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए और रील नहीं बनानी चाहिए या सोशल मीडिया स्क्रॉल नहीं करना चाहिए। कुछ सेकेंड का ध्यान भटकना किसी की जान ले सकता है। पुलिस के अनुसार, इलेक्ट्रॉनिक निगरानी और जांच के जरिये नियमों को तोड़ने वालों की पहचान की जा रही है और उनके खिलाफ तुरंत कानूनी कार्रवाई शुरू की जा रही है। एफआईआर दर्ज करने के अलावा, गंभीर मामलों में वाहन जब्त किए जा रहे हैं और ड्राइविंग लाइसेंस सस्पेंड करने की सिफारिश की जा रही है। अधिकारियों ने कहा कि हाल के महीनों में लापरवाही और रॉन्ग साइड में गाड़ी चलाने से जुड़ी कई घातक दुर्घटनाओं की पृष्ठभूमि में यह कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार, ऐसी ही एक घटना में, 3 फरवरी को दिल्ली के द्वारका में एक तेज रफ्तार एसयूवी ने कथित तौर पर मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिससे 23 वर्षीय साहिल की मौत हो गई थी।

ट्रैफिक नियम तोड़ने और चालान भरने में दिल्ली आगे, केंद्रीय विधि मंत्रालय की रिपोर्ट में खुलासा: ली वाले ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने में देश में सबसे आगे हैं। ट्रैफिक कानून को तोड़ने के चलते देशभर में भरे गए कुल जुर्माने की लगभग आधी रकम अकेले दिल्लीवालों ने भरी है। इसका खुलासा केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय के न्यायपालिका के डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को लेकर तैयार की गई एक रिपोर्ट में हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, वर्चुअल कोर्ट में निपटाए गए चालान के जुर्माने के तौर पर देशभर में कुल 973 करोड़ रुपये सरकारी खजाने में आए और इनमें से अकेले दिल्ली वालों ने 433 करोड़ रुपये जुर्माने की रकम जमा कराई। कानून मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक, देशभर में ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन के लिए होने वाले चालान का निपटारा करने के लिए स्थापित 29 वर्चुअल कोर्ट में 31 दिसंबर, 2025 तक 9,81,17,870 चालान आए।

टोहाना बस स्टैंड का स्थान बदलने से हर आमजन परेशान, शहर से दो किलोमीटर दूर, विद्यार्थियों में भारी रोष

प्रशासन से दोनों नए पुराने बस स्टैंड से हर पंद्रह मिनट या आधा घंटा में मिनी बस सेवा चलाने की मांग

फतेहाबाद व पंजाब से आने वाली बसों का वाया व बस स्टाप पुराने बस स्टैंड पर स्थाई तौर पर घोषित कर स्थाई रूप घोषित किया जाये।

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । टोहाना बस स्टैंड को शहर से बाहर हिसार रोड़ के नजदीक स्थांतरित कर दिया गया है जिससे आस पास क्षैत्रों से आने जाने वाले छात्र छात्राओं के साथ साथ दैनिक यात्रियों को हर रोज अपने गंतव्य स्थान तक पहुंचने के लिए नये बस स्टैंड से शहर तक आने के लिए 20रूपये से पचास रूपये एकतरफा खर्च करने पड़ रहे हैं जो इस महंगाई को देखते हुए आम तौर पर प्रति व्यक्ति 3000रूपये के लगभग बेवजह का बोझ पड़ रहा है जिससे हर रोज आने वाले विधार्थियो में तो भारी रोष व्याप्त है ही साथ ही कामकाजी महिलाओं व छात्राओं को अंधेरा होने पर सुरक्षा को लेकर डर व भय की स्थिति बनी हुई साफ़ दिखती है।विदित रहे हर रोज शहर टोहाना से आसपास के शहरों या कस्बों में आम लोगों का अपने रोजगार के लिए आना जाना रहता है इसी तरह बाहर क्षैत्र से टोहाना आने-जाने वाले भी हैं परंतु अब हर आगंतुक के लिए ने बस स्टैंड से शहर में आने वाले ई-रिक्शा,ओटो चालकों की मनमानी से प्रति सवारी 20से 50रूपये वसूले जा रहे हैं परंतु स्थानीय प्रशासन मौन है रोडवेज विभाग ने खाना पूर्ति करते हुए केवल दो बस चला रखीं है जो पर्याप्त प्रतीत नहीं होती दिख रही है। स्कूल व कॉलेज के विधार्थियो का कहना है कि पुराने बस अड्डे से ने बस अड्डा के बीच मिनी बस सेवा हर आधा घंटा या पंद्रह मिनट में संचालित हो जिससे आम जन की परेशानियां खत्म हो।

फतेहाबाद जिला में 14 मार्च को होगा राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर हेल्प डेस्क स्थापित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । हरियाणा राज्य विधिक सेवाएं प्राधिकरण पंचकूला के सदस्य सचिव से प्राप्त दिशा निर्देशों की अनुपालना में और जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश दीपक अग्रवाल के नेतृत्व में आगामी 14 मार्च, 2026 को फतेहाबाद रतिया और टोहाना के न्यायिक परिसरों में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इसके अलावा प्रत्येक सोमवार और वीरवार को स्पेशल प्री लोक अदालत भी आयोजित की जा रही है।

जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी गायत्री ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल संचालन और आमजन की सुविधा के लिए जिला न्यायालय परिसर फतेहाबाद में हेल्प डेस्क स्थापित की गई है। इस डेस्क पर पक्षकारों को उनके मामलों संबंधित न्यायालय और निशुल्क विधिक सहायता की जानकारी दी जा रही है। पैरा लीगल वॉलिंटियर्स लोगों को अदालत की प्रक्रिया, उसके लाभ और सामाजिक मुद्दों जैसे बाल विवाह, नशा मुक्ति, दहेज प्रथा उन्मूलन, दिव्यांग जनों के अधिकार और साइबर अपराध संबंधित जानकारी प्रदान कर रहे हैं। राष्ट्रीय विधिक सहायता हेल्पलाइन नंबर 15100 पर घर बैठे भी कानूनी सहायता प्राप्त की जा सकती है।

दिन में काम सुंदर और रात में मैडम जहर; कबूतर की गर्लफ्रेंड खुशनुमा अंसारी का डबल रोल

नई दिल्ली, एजेंसी। खुशनुमा अंसारी किसी फिल्म की तरह अपनी जिंदगी में दोहरी भूमिका निभा रही थी। वह दिन में ब्यूटी पार्लर चलाती थी तो रात को गैंगस्टर गैंग का काले कारनामों में शामिल हो जाती थी। गैंग के भीतर उसे 'मैडम जहर' के नाम से जाना जाता है। राजधानी में सक्रिय गैंगस्टर नेटवर्क पर कार्रवाई करते हुए दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़ी कथित 'लेडी डॉन' खुशनुमा अंसारी उर्फ नेहा को गिरफ्तार किया है। खुशनुमा गैंग को हथियार मुहैया कराने वाले महफूज उर्फ बॉबी कबूतर की गर्लफ्रेंड बताई जा रही है। खुशनुमा किसी फिल्म की तरह अपनी जिंदगी में दोहरी भूमिका निभा रही थी। वह दिन में ब्यूटी पार्लर चलाती थी तो रात को गैंगस्टर गैंग का काले कारनामों में शामिल हो जाती थी। गैंग के भीतर उसे 'मैडम जहर' के नाम से जाना जाता है। जांच में सामने आया है कि बॉबी कबूतर, एशिया के बड़े हथियार सप्लायर माने जाने वाले सलीम पिस्टल से अवैध हथियार लेता था। सलीम को पुलिस पहले ही नेपाल-भारत सीमा से गिरफ्तार कर चुकी है। एजेंसियों के अनुसार उसका संबंध पाकिस्तानी खुफिया इकाई आईएसआई से भी जुड़ा रहा है। फिलहाल स्पेशल सेल की काउंटर इंटेलिजेंस यूनिट की गिरफ्त में बॉबी कबूतर, खुशनुमा, मोहम्मद राजी खान और शाहबाज हैं। पुलिस का दावा है कि बॉबी कबूतर बीते सात साल से फरार था और लगातार ठिकाने बदलकर पुलिस को चकमा दे रहा था। फरारी के दौरान खुशनुमा उसकी मददगार बनी रही। बॉबी का नाम पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की 2022 में हुई हत्या, फिल्म अभिनेत्री दिशा पाटनी के घर पर फायरिंग, नादिर शाह हत्याकांड और सीलमपुर डबल मर्डर जैसे मामलों में सामने आया है। इन वारदातों में गैंग को अवैध हथियार सप्लाई करने में उसकी अहम भूमिका बताई जाती है। मई 2022 में दिनदहाड़े हुई सिद्धू मूसेवाला की हत्या के बाद से ही स्पेशल सेल की टीमें बॉबी की तलाश में जुटी थीं। आरोपी फर्जी पहचान और तकनीकी संसाधनों का सहारा लेकर बचता रहा, लेकिन तकनीकी सर्विलांस और खुफिया इनपुट के आधार पर आखिरकार गिरफ्त में आ गया।

अब सीमा पर रोबोट आर्मी तैनात करेगा चीन?

ट्रेनिंग का वीडियो वायरल; जांच में सारी सच्चाई आई सामने

बीजिंग, एजेंसी। सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें ह्यूमनॉइड रोबोट असॉल्ट राइफल लेकर चलते दिखाई दे रहे हैं। दावा किया गया कि चीन ने रोबोट सैनिकों को सैन्य सेवा के लिए ट्रेनिंग देना शुरू कर दिया है। लेकिन जांच में यह दावा संदिग्ध पाया गया है और वीडियो को एआई से तैयार किया गया बताया गया है।

वायरल पोस्ट में कहा गया था कि चीन ने यूनिट्री नाम के रोबोट का लाइव-फायर टेस्ट शुरू कर दिया है। पोस्ट में यह भी लिखा गया कि भविष्य में युद्ध के लिए इंसानों की जरूरत नहीं पड़ेगी।

हालांकि, एआई टूल ग्रोक की जांच में सामने आया कि यह वीडियो असली नहीं है और संभवतः एआई से बनाया गया है। 2026 में यूनिट्री के ह्यूमनॉइड रोबोट के सैन्य लाइव-फायर टेस्ट की कोई आधिकारिक या विश्वसनीय रिपोर्ट नहीं मिली है।ग्रोक के अनुसार, अब तक यूनिट्री रोबोट का इस्तेमाल केवल नागरिक कार्यक्रमों में प्रदर्शन के लिए हुआ है। ये रोबोट टीवी कार्यक्रमों, जैसे स्प्रिंग फेस्टिवल गाला, में प्रदर्शन करते

नजर आए हैं।पिछले वर्षों में चीन ने सैन्य परीक्षणों में चार पैरों वाले (क्वाड्रुपेड) रोबोट का इस्तेमाल किया था, लेकिन ह्यूमनॉइड रोबोट सैनिकों की ट्रेनिंग का कोई पुख्ता सबूत नहीं है। यह पहली बार नहीं है जब चीन से जुड़ी ऐसी खबरें वायरल हुई हों। इससे पहले भी दावा किया गया था कि चीन ने एलएसी के पास एआई रोबोट तैनात किए हैं। चीन ने हाल ही में कुछ गैर-लड़ाकू कामों के लिए ह्यूमनॉइड रोबोट के ट्रायल की घोषणा की है। शेनझेन की कंपनी यूबीटेक रोबोटिक्स ने वियतनाम सीमा के पास एक पायलट प्रोजेक्ट के लिए रोबोट सप्लाई करने का करार किया है। इस प्रोजेक्ट में वॉकर एस2 नाम का ह्यूमनॉइड रोबोट शामिल है, जिसे जुलाई 2025 में पेश किया गया था। इसे ऐसी बैटरी सिस्टम के साथ बनाया गया है जो खुद बदल सकती है, जिससे यह लंबे समय तक काम कर सकता है। इसका उपयोग लॉजिस्टिक्स, कस्टम और बॉर्डर मैनेजमेंट जैसे कामों में किया जाना है। चीन की कंपनी ने हाल ही में टीवी प्रसारण के दौरान ह्यूमनॉइड रोबोट से मार्शल आर्ट का प्रदर्शन कराया, जिससे दुनिया का ध्यान आकर्षित हुआ।अन्य कंपनियां भी इस क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। मैजिकलब ने डांस करते ह्यूमनॉइड रोबोट दिखाए, जबकि नोएटिक्स रोबोटिक्स ने इंसानों जैसे दिखने वाले रोबोट पेश किए। बीजिंग की गैल्बोट ने ऐसे रोबोट दिखाए जो अखरोट तोड़ने, सॉसेज में सींक लगाने और कपड़े मोड़ने जैसे काम कर सकते हैं।सीएनएन की एक रिपोर्ट के अनुसार, बढ़ती मजदूरी लागत और कम होती कामकाजी आबादी के बीच चीन अपनी मैन्युफैक्चरिंग स्थिति बनाए रखने के लिए रोबोटिक्स में भारी निवेश कर रहा है।

मैंने 2.5 करोड़ लोगों की जान बचाई, ट्रंप का नया दावा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर दावा किया है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच मई 2025 में बढ़े सैन्य तनाव को अपनी टैरिफ नीति की धमकी से रुकवाया। उन्होंने कहा कि अगर दोनों देश लड़ाई जारी रखते, तो वह उन पर 200 प्रतिशत टैरिफ (भारी आयात शुल्क) लगा देते। ट्रंप ने यह बयान अपने द्वारा शुरू किए गए संगठन बोर्ड ऑफ पीस के पहले कार्यक्रम में दिया। इस कार्यक्रम में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ भी मौजूद थे।

कार्यक्रम के दौरान ट्रंप ने कहा कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने उनके चीफ ऑफ स्टाफ के सामने कहा था कि राष्टपति ट्रंप ने 2.5 करोड़ (25 मिलियन) लोगों की जान बचाई, जब उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध रुकवाया। ट्रंप ने दावा किया कि उस समय युद्ध भड़क रहा था, विमान गिराए जा रहे थे। उन्होंने कहा, मैंने दोनों को फोन किया। मैं प्रधानमंत्री मोदी को अच्छी तरह जानता हूं। मैंने उनसे कहा एक्स अगर आप लोग यह मामला नहीं सुलझाते तो मैं आप दोनों के साथ कोई व्यापार समझौता नहीं करूंगा। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने दोनों देशों को साफ शब्दों में चेतावनी दी थी कि अगर आप लड़ाई जारी रखते हैं तो मैं आपके देशों पर 200 प्रतिशत टैरिफ लगा दूंगा। उन्होंने आगे कहा, वे दोनों लड़ना चाहते थे। लेकिन जब बात पैसे की आई, तो पैसे जैसा कुछ नहीं होता। जब उन्हें भारी आर्थिक नुकसान का अंदेशा हुआ, तो उन्होंने कहा ङ्क शायद हम लड़ना नहीं चाहते। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि उस दौरान 11 जेट विमान गिराए गए थे और वे बहुत महंगे थे। ये बयान ट्रंप ने बोर्ड ऑफ पीस की पहली बैठक में दिया। यह उनका एक नया अंतरराष्ट्रीय मंच है।

सुशीला कार्की ने चेताया, असंतोष दूर नहीं किया तो फिर होगा विद्रोह; कहा-लोकतंत्र में होनी चाहिए जवाबदेही

काठमांडो, एजेंसी। नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने चेतावनी दी कि यदि युवाओं के असंतोष को समय रहते दूर नहीं किया गया तो देश में एक और विद्रोह भड़क सकता है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र का अर्थ केवल वोट देना नहीं, बल्कि नागरिकों के अधिकारों की रक्षा और जवाबदेही सुनिश्चित करना भी है। काठमांडो में 76वें लोकतंत्र दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कार्की ने युवाओं के आक्रोश और आगामी चुनावों पर बेबाकी से अपनी बात रखी। बलिदानियों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद प्रधानमंत्री ने कहा कि 2007 की क्रांति ने नेपालियों को रैती (प्रजा) से नागरिक बनाया था। हालांकि, आज हमें खुद की समीक्षा करने की जरूरत है। उन्होंने सवाल उठाया कि लोकतंत्र की स्थापना के दशकों बाद भी नेपाल को बार-बार आंदोलनों का सामना क्यों करना पड़ रहा है। क्यों आज की नई पीढ़ी (जेन-जी) को सड़कों पर उतरना पड़ा।कार्की ने स्वीकार किया कि हमने संविधान में सुंदर शब्द तो लिखे लेकिन लोकतांत्रिक व्यवहार को संस्थागत नहीं कर पाए। प्रतिनिधि सभा के चुनावों का उल्लेख करते हुए कार्की ने देश को भरोसा दिलाया कि सरकार निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान के लिए पूरी ऊर्जा लगा रही है।

नेपाल चुनाव में राजनीतिक दलों ने जारी किए घोषणा पत्र

काठमांडू , एजेंसी। 5 मार्च को होने वाले आम चुनावों से पहले नेपाल की तीन प्रमुख राजनीतिक पार्टियों नेपाली कांग्रेस (एनसी), नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी-एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी (सीपीएन-यू) और राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) ने गुरुवार को अपने-अपने चुनावी घोषणा पत्र जारी किए। तीनों दलों ने पड़ोसी देशों के साथ मैत्रीपूर्ण और संतुलित संबंधों पर जोर दिया है।

जहां पारंपरिक दल एनसी और यूएमएल की विदेश नीति उनके पूर्व शासन अनुभव के आधार पर जानी-पहचानी है, वहीं अगली सरकार का नेतृत्व करने की आकांक्षा रखने वाली आरएसपी की विदेश नीति को लेकर खास उत्सुकता थी। पार्टी ने पूर्व काठमांडू महानगरपालिका मेयर

बालेन शाह को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया है। आरएसपी ने अपने घोषणा पत्र में संतुलित और गतिशील कूटनीति अपनाने की बात कही है। पार्टी ने नेपाल को बफर स्टेट से सक्रिय सेतु (वाइब्रेंट ब्रिज) में बदलने का संकल्प जताया है। इसके तहत त्रिपक्षीय आर्थिक साझेदारी और क्षेत्रीय संपर्क को बढ़ावा देने की योजना है, विशेष रूप से भारत और चीन जैसे पड़ोसी देशों के साथ। पार्टी ने माना कि नेपाल में भारत और चीन के रणनीतिक हित हैं और वैश्विक शक्ति संतुलन में बदलाव हो रहा है। ऐसे में नेपाल को सक्रिय और लचीली कूटनीतिक नीति अपनानी चाहिए, ताकि वह बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य और पड़ोसी अर्थव्यवस्थाओं के उदय से लाभ उठा सके। आरएसपी ने पिछले दशक में भारत की डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, उच्च गुणवत्ता वाली भौतिक परियोजनाओं, अर्थव्यवस्था के औपचारिककरण और औद्योगिक-सेवा क्षेत्र समन्वय में हुई प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि नेपाल दक्षिणी पड़ोसी के अनुभव से लाभ ले सकता है। साथ ही, चीन के साथ रियायती वित्तपोषण के जरिए विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचा परियोजनाओं, राज्य-निर्देशित विकास योजना और अंतर-प्रांतीय प्रतिस्पर्धा के मॉडल से सीखने पर भी जोर दिया गया है। एनसी ने अपने घोषणा पत्र में कहा कि उसकी विदेश नीति के तहत नेपाल किसी भी रक्षा, सैन्य या सुरक्षा संघर्ष का हिस्सा नहीं बनेगा और न ही प्रमुख शक्तियों के बीच बढ़ती रणनीतिक प्रतिस्पर्धा में शामिल होगा। पार्टी ने समानता के आधार पर सभी देशों के साथ मित्रता बनाए रखने के अपने पुराने सिद्धांत को दोहराया। पार्टी ने कहा, हमारे पड़ोसी और मित्र देशों के साथ संबंध समानता और पारस्परिक सम्मान पर आधारित होंगे तथा पारस्परिक लाभ और आर्थिक साझेदारी के आधार पर आगे बढ़ाए जाएंगे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com